रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

झारखंड स्थापना 25

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:69 | शनिवार,15 नवम्बर

झारखण्ड सरकार

GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

झारखण्ड 25

अनंत संभावनाओं की ओर

स्कैन करें और झारखण्ड राज्य के रजत पर्व उत्सव के सहभागी बनें!

दिनांक: 15 नवम्बर, 2025 | समय: अपराह्न 02.00 बजे

स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

मुख्य अतिथि

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री के. राजू
ए.आई.सी.सी. के सी. डब्ल्यी.सी. के स्थायी
आमंत्रित सदस्य एवं झारखण्ड प्रभारी

सम्मानित अतिथि

श्री संजय सेठ — माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री
श्री राधा कृष्ण किशोर — माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार
श्री संजय प्रसाद यादव — माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार
श्री दीपक प्रकाश — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्रीमती महुआ माजी — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्री आदित्य प्रसाद साहु — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्री प्रदीप कुमार वर्मा — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह — माननीय सदस्य, झारखण्ड विधान सभा

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

नीरज सिंह हत्याकांड: हाईकोर्ट से पूर्व विधायक संजीव सिंह को नोटिस

रांची, संवाददाता ।

धनबाद के डिप्टी मेयर रहे दिवंगत कांग्रेसी नेता नीरज सिंह हत्याकांड में धनबाद सिविल कोर्ट से बरी हुए झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में दायर तीन अपील याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने पूर्व विधायक संजीव सिंह समेत अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में हुई. यह याचिका नीरज सिंह के भाई अभिषेक सिंह, मृतक चालक घल्टू महतो की पत्नी और मृतक अशोक यादव की पत्नी ने दायर की है. पिछले दिनों धनबाद की निचली अदालत ने साक्ष्य के अभाव में संजीव सिंह सहित कुल 10 आरोपियों को बरी कर दिया था. याचिका दायर करने वालों ने अपनी अपील में झारखंड सरकार के साथ-साथ संजीव सिंह, जैनेंद्र कुमार सिंह उर्फ पिंटू सिंह और अन्य आरोपियों को प्रतिवादी बनाया है. गौरतलब है कि संजीव सिंह को करीब आठ साल जेल में रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी. उनकी पत्नी रागिनी सिंह फिलहाल झरिया से विधायक हैं. नीरज सिंह की हत्या 2017 में सरायढेला थाना क्षेत्र में हुई थी. लंबे ट्रायल के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन अब उस फैसले को चुनौती दी गई है.

नशे के कारोबार पर झारखंड हाईकोर्ट सख्त

रांची। रांची में नशे के बढ़ते कारोबार को झारखंड हाई कोर्ट ने गंभीरता से लिया है. शहर के अलग-अलग इलाकों में गांजा, ब्राउन शुगर, प्रतिबंध कफ सीरप की बिक्री मामले पर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लिया है. कोर्ट ने नशे के कारोबार पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि राजधानी में ऐसे मादक पदार्थों की बिक्री दुर्भाग्यपूर्ण है, सरकार को इसे रोकने के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए. शुक्रवार को हाईकोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है. राज्य सरकार की ओर से पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा. इस मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी.

स्थापना दिवस : मुख्य समारोह स्थल पुलिस छावनी में तब्दील, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

रांची, संवाददाता ।

झारखंड स्थापना दिवस को लेकर आधी राजधानी को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है. मोरहाबादी मैदान के आसपास के सभी रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया. मोरहाबादी मैदान में पूरी तरह से पुलिस का पहरा है. हजारों की संख्या में राज्य स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से लोग रांची पहुचेंगे. ऐसे में ट्रैफिक पुलिस की जिम्मेवारी भी बढ़ गई है.

1000 जवानों की तैनाती

झारखंड स्थापना दिवस समारोह को लेकर पूरी राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है. 1000 से ज्यादा जवानों को मोरहाबादी मैदान सहित अन्य जगहों पर सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है. दिल्ली में हुए विस्फोट की वजह से भी समारोह स्थल की सुरक्षा को बेहद पुख्ता बनाया गया है. पूरे मैदान की निगरानी ड्रोन कैमरे से शुरू कर दी गई है. वहीं सुरक्षा में रैपिड एक्शन पुलिस, जैप, जिला पुलिस, टियर गैस टीम और फायर ब्रिगेड को भी तैनात किया गया है. गृह सचिव सहित राज्य पुलिस के आला अधिकारी देर रात तक मोरहाबादी मैदान का निरीक्षण करते नजर आए. यहां पर चारों तरफ सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है. मैदान में प्रवेश के लिए जो लोग लाइन में लगे होंगे उनकी जांच भी स्पेशल ब्रांच के द्वारा मेटल डिटेक्टर से की जाएगी.

आईजी कर रहे खुद मॉनिटरिंग

झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह को लेकर रांची रेंज के आईजी मनोज कौशिक खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं. रांची रेंज के आईजी के द्वारा पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी का जायजा भी लिया गया है. आईजी मनोज कौशिक ने बताया कि राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था के लिए हर तरह के इंतजाम किए गए हैं. राज्य के लोगों को बेहतर सुरक्षा के बीच स्थापना दिवस के दौरान होने वाले तमाम कार्यक्रमों का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा.

तीन आईपीएस, आधा दर्जन डीएसपी संभालेंगे मोर्चा

15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह की सुरक्षा में एक हजार जवानों के अलावा सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए रांची में तीन आइपीएस, आधा दर्जन डीएसपी सहित कई अधिकारियों की तैनाती की गई है. वैसे तो मुख्य समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में दोपहर बाद होना है लेकिन मैदान की सुरक्षा को लेकर सुबह 6 बजे से ही जवान मुस्तैद रहेंगे. मोरहाबादी स्थित मुख्य आयोजन स्थल की सुरक्षा तीन लेयर में होगी. इसके अलावा बम निरोधक दस्ता, जैप, एटीएस और झारखंड जगुआर की टीम को भी तैनात किया जा रहा है.

सीसीटीवी से निगरानी

सुरक्षा में किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न न हो इसे देखते हुए पूरे शहर की निगरानी सीसीटीवी से की जाएगी. साथ ही सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी. समारोह स्थल में जाने वाले हर वाहन को चेकिंग के बाद ही स्थल तक जाने दिया जाएगा. समारोह स्थल के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है. साथ ही दो ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा. ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरे समारोह की निगरानी की जाएगी. इसके लिए कंट्रोल रूम में आधा दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारी की तैनाती की जा रही. उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे पल-पल की रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को देंगे. कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने वालों की मेटल डिटेक्टर से जांच होगी इसके लिए प्रवेश मार्ग पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं. इसके अलावा मेटल स्कैनर से भी जांच की जाएगी. पूरी तलाशी के बाद ही लोगों को कार्यक्रम स्थल तक प्रवेश करने दिया जाएगा.

पारस हॉस्पिटल एचईसी में चिल्ड्रेन डे और डायबिटीज डे मना

रांची, संवाददाता ।

पारस हॉस्पिटल एचईसी में शुक्रवार को चिल्ड्रेन डे और वर्ल्ड डायबिटीज डे संयुक्त रूप से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, गेम्स, हेल्दी फूड अवेयरनेस और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं, डायबिटीज की रोकथाम, जागरूकता और जीवनशैली में सुधार को लेकर विशेष हेल्थ टॉक, स्क्रीनिंग कैंप और परामर्श सत्र आयोजित किए गए। डॉक्टरों ने मरीजों को समय पर जांच, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में जानकारी दी। फैसलिटी डायरेक्टर नीतेश कुमार ने कहा कि यह संयुक्त आयोजन स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और बच्चों के समग्र विकास के उद्देश्य से किया गया है।पारस हॉस्पिटल हमेशा से समुदाय के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। पारस हॉस्पिटल हमेशा से उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और मरीजों के बेहतर उपचार के लिए प्रतिबद्ध रहा है। चिल्ड्रेन डे के अवसर पर आयोजित गतिविधियों के जरिए बच्चों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और उनके भीतर आत्मविश्वास जगाने का प्रयास किया गया। उन्होंने सभी डॉक्टरों, स्टाफ और कार्यक्रम में शामिल बच्चों व अभिभावकों का धन्यवाद भी दिया।

झारखंड में आईसीयू मेडिकल मैनेजमेंट के लिए मॉडल एसओपी को मिली मंजूरी

रांची, संवाददाता ।

प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा में शुक्रवार को झारखंड के सभी क्ठव और सीसीयू में मेडिकल मैनेजमेंट को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में राज्य का मॉडल SOP सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया. स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, NHM निदेशक शशि प्रकाश झा, अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज, रिम्स के विशेषज्ञ डॉ प्रदीप कुमार भट्टाचार्य और एस के चौधरी सहित सभी जिलों के सिविल सर्जन और निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया. अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज ने बताया कि यह एसओपी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद तैयार किया गया है. 6 नवंबर को हुई वर्कशॉप में मिले सुझावों के आधार पर इसका अंतिम ड्राफ्ट बनाया गया है, जिसे फीडबैक के बाद सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा. कार्यशाला में रिम्स के डॉ प्रदीप कुमार भट्टाचार्य ने विस्तृत प्रेजेंटेशन देते हुए एसओपी के विभिन्न प्रावधानों को समझाया. इसमें कॉस्ट, एक्सेसिबिलिटी, क्वालिटी केयर और रेफरल पाथवे को प्रमुख आधार बनाया गया है.

एसओपी के अनुसार CHC स्तर पर बेसिक इमरजेंसी केयर और मरीज की स्थिरता सुनिश्चित करने की व्यवस्था होगी. जिला अस्पतालों को क्रिटिकल केयर के सेकेंडरी रेफरल सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा. एक अंग फेलियर की स्थिति में मरीजों को जिला अस्पताल भेजा जाएगा, जबकि मल्टी ऑर्गन फेलियर के मामलों में उन्हें सीधे मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाएगा. राज्य स्तर पर स्पेशलिस्ट सपोर्ट, ट्रेनिंग और ऑडिट सिस्टम लागू किए जाने पर जोर दिया गया है. निजी अस्पतालों के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल किए गए हैं. अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि एक वर्ष के भीतर राज्य के सभी अस्पतालों में यह एसओपी लागू किया जाएगा. उन्होंने स्वीकार किया कि डॉक्टरों की कमी एक चुनौती है, लेकिन भर्ती प्रक्रिया जारी है और जरूरत पड़ने पर अन्य राज्यों से भी डॉक्टर उपलब्ध कराए जाएंगे. उन्होंने अस्पतालों को IPH मानकों के अनुरूप उपकरण स्थापित करने और IT व अक आधारित डिजिटल हेल्थ सिस्टम को अपनाने पर बल दिया. साथ ही जल्द ही झारखंड डिजिटल हेल्थ मिशन शुरू करने की घोषणा की. कार्यक्रम के अंत में एनएचएम निदेशक शशि प्रकाश झा ने सभी 225 प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और एसओपी के सफल क्रियान्वयन की उम्मीद जताई.

सीसीएल में खदानों की ब्लास्टिंग तकनीक पर दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

रांची, संवाददाता ।

सीसीएल में खदानों में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों और ब्लास्टिंग तकनीक पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से शुरू हुई. यह कार्यक्रम 14 और 15 नवंबर तक चलने वाला है. यह संगोष्ठी DGMS (महानिदेशालय खान सुरक्षा) के सहयोग से आयोजित की गई है. संगोष्ठी की शुरूआत DGMS के महानिदेशक उज्ज्वल ताह और अन्य मुख्य अतिथियों ने दीप जलाकर की. कार्यक्रम में कोल इंडिया और सीसीएल के कई बड़े अधिकारी मौजूद थे. कार्यक्रम की शुरूआत डीएवी गांधीनगर के छात्रों द्वारा गणेश वंदना से हुई. इसके बाद कोल इंडिया का गीत प्रस्तुत किया गया. सीसीएल ने सभी मेहमानों का स्वागत किया. पहले दिन तीन तकनीकी सत्र हुए. इसमें देश भर से आए विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने ब्लास्टिंग कैसे की जाए, सुरक्षा कैसे बढ़ाई जाए, नए तरह के विस्फोटक कैसे काम करते हैं, और खनन में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की. इस दौरान कोल इंडिया के निदेशक (तकनीकी) अच्युत घटक ने विभिन्न कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी उद्घाटन और निरीक्षण किया.

वकीलों के लिए सरकार की सौगात, स्वास्थ्य सुरक्षा योजना की हुई शुरूआत

रांची, संवाददाता ।

शुक्रवार का दिन राज्य के वकीलों के लिए बड़ी सौगात लेकर आया. राज्य सरकार के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अधिवक्ता स्वास्थ्य सुरक्षा योजना अन्तर्गत लाभुक अधिवक्ताओं के ऑनलाइन फॉर्म भरने हेतु SEHIS portal का विधिवत उद्घाटन किया. इस कार्यक्रम में राज्य के अधिवक्ताओं और हाईकोर्ट में सरकार के लिए पक्ष रख रहे वकीलों ने हिस्सा लिया. वकीलों के लिए शुरू हुई इस योजना के प्रथम चरण में झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के अंतर्गत निर्बंधित कुल 15000 अधिवक्ताओं को शामिल किया गया है.

कार्यक्रम में योजना के सभी मुख्य लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई. इसके साथ ही ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए डेमो का प्रदर्शन भी किया गया. सभी 15000 निर्बंधित अधिवक्तागण www.sehis.jharkhand.gov.in के पोर्टल में रजिस्टर करके, login करने के बाद अपने और अपने परिवार का सम्पूर्ण विवरण भर सकते है. कार्यक्रम में मेडिकल इंश्योरेंस कमेटी के चेयरमैन और अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद, सीनियर स्टेंडिंग काउंसिल अशोक कुमार यादव, सरकारी अधिवक्ता मनोज कुमार समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे.

झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के जीएम प्रवीण चंद्रा मिश्रा, फाइनेंस मैनेजर विवेक कुमार नायक और सीनियर कंसल्टेंट अंशु कुमार सिंह ने योजना एवं ऑनलाइन पोर्टल की जानकारी दी. महाधिवक्ता राजीव रंजन ने सभी जिले में कैंप कर जिलों में निर्बंधित अधिवक्ताओं का फॉर्म भरने में सहयोग करने के संबंध में व्यवस्था करने हेतु निर्देश दिया गया जिससे कि लाभुक अधिवक्ताओं को योजना का लाभ आवश्यकता के समय प्राप्त हो सके.

रांची में स्वास्थ्य मुख्यालय के निकट फेंकी मिली दवाइयां, जांच के बाद होगी कार्रवाई

रांची, संवाददाता ।

शहर के नामकुम में राज्य के स्वास्थ्य मुख्यालय के करीब बड़ी मात्रा में दवाइयां फेंकी हुई मिली है. नियमों को ताक पर रखकर फेंकी गई इन दवाओं को लेकर तरह तरह के सवाल उठ रहे हैं. ड्रग एंड कॉस्मटिक्स एक्ट-1940 के तहत दवाइयों को इस तरह से डिस्पोज नहीं किया जा सकता. ऐसे में किसने और क्यों रात के अंधेरे में ये दवाइयां सड़क के किनारे फेंकी हैं यह सवाल बना हुआ है. ईटीवी भारत की टीम जब मौके पर पहुंची तो बड़ी संख्या में दवाइयां फेंके जाने की तहकीकात की. इस दौरान यह देखने को मिला कि सभी दवाइयां एक निजी कंपनी की हैं. वहीं इसमें बड़ी मात्रा में कफ सिरप, आई ड्रॉप, विटामिन की दवाइयों के साथ-साथ एंटीबायोटिक्स और इंजेक्शन भी हैं. इसमें से कई दवाइयां एक्सपायर्ड हैं तो कई के एक्सपायरी में अभी दो से तीन महीने का समय बाकी है. कोई भी सीएनएफ दवाइया का डिस्पोजल मेडिकल डिस्पोजल ट्रीटमेंट प्लांट में होना चाहिए. इस तरह से दवाओं को फेंकना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ भी है. ड्रग इंस्पेक्टर अरूप रतन ने बताया कि पूरे मामले में सैंपल लेकर जांच की जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि जिस कंपनी की दवा है उसका सी एंड एफ किसके पास है. वहीं स्थानीय मंटू लाला ने बताया कि रात के अंधेरे में यह काम किया गया है. उन्होंने कहा कि तीन चार साल पहले भी इसी तरह की घटना घटी थी.

लैंप्स-पैक्स को स्वावलंबी बनाने की तैयारी, सरकार देगी लोन : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची, संवाददाता ।

राज्य स्तरीय सहकारिता कार्यशाला का उद्घाटन आज पशुपालन निदेशालय, रांची में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया. कार्यशाला में राज्य भर के लैंप्सझपैक्स के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए. सभी प्रतिनिधियों ने मंत्री के समक्ष अपनी मौजूदा समस्याएं और सुझाव खुले तौर पर रखे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सहकारिता विभाग का संचालन सहयोग और पारदर्शिता के साथ ही संभव है. उन्होंने बताया कि सरकार लैंप्स-पैक्स को पूरी तरह कंप्यूटरीकृत करने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने पर कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि लैंप्स-पैक्स को लोन उपलब्ध कराने की योजना पर विभाग काम कर रहा है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि लोन पर लगने वाला ब्याज सरकार वहन करेगी, ताकि समितियां बिना आर्थिक बोझ के अपने कार्यों को मजबूती से आगे बढ़ा सकें. इस पहल का उद्देश्य लैंप्स-पैक्स को सरकार की योजनाओं का केंद्र बिंदु बनाना है, जिससे किसानों को किसी अन्य जगह भटकना न पड़े.

मंत्री ने स्पष्ट कहा कि झारखंड अलग राज्य शोषण से मुक्ति के लिए बना था, लेकिन आज भी हमारे बीच कुछ लोग शोषणकारी भूमिका निभा रहे हैं. उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि किसान हित में ईमानदार पहल आवश्यक है चाहे बात डउउ लोन की हो, गोदाम निर्माण की, लैंप्स-पैक्स के बकाया कमीशन भुगतान की या किसी भी कल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन की. उन्होंने लैंप्स-पैक्स की जमीन पर गोदाम निर्माण को लेकर संबंधित अधिकारियों को तुरंत और गंभीर पहल करने के निर्देश दिए. मंत्री ने कहा कि झारखंड भी सहकारिता की मदद से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकता है, जैसे केरल, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में सहकारिता समितियां मजबूत आर्थिक मॉडल बन चुकी हैं.

इसके लिए सोच को बड़ा करना होगा. सरकार किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए उन्हें अन्य राज्यों की उन्नत सहकारिता प्रणालियों का अनुभव कराने हेतु भेजने की योजना भी बना रही है. कार्यशाला के दौरान बेहतर काम करने वाले लैंप्स-पैक्स को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर निबंधक शशि रंजन, मोहम्मद सरफराज, संयुक्त निबंधक जय प्रकाश शर्मा, प्रकाश कुमार, राकेश कुमार तथा नाबार्ड के अधिकारी उपस्थित थे.

झारखण्ड स्थापना दिवस की रजत जयंती पर 21,000 ग्राम संगठनों में विशेष कार्यक्रम–ग्रामीण महिलाओं और जनप्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी

पिछले 25 वर्षों की प्रगति, सामाजिक-आर्थिक बदलावों और महिला नेतृत्व की भूमिका पर हुआ व्यापक संवाद

उत्कृष्ट सखी मंडलों और कैडरों को किया गया सम्मानित

रांची, संवाददाता ।

झारखण्ड रजत जयंती के अवसर पर झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्यभर के 21,000 से अधिक ग्राम संगठनों (श्ड२) में एक साथ विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इन आयोजनों में सखी मंडल की ग्रामीण महिलाओं के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सभी ग्राम संगठनों में झारखण्ड की रजत जयंती पर राज्य की प्रगति, सामाजिक-आर्थिक बदलाव और महिला नेतृत्व की बढ़ती भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई।

ग्राम संगठनों में सामुदायिक चर्चा

बैठकों में खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य पर सामुदायिक विमर्श हुआ, जिसमें सखी मंडलों ने अगले पाँच वर्षों की विकास प्राथमिकताएँ तय कीं। महिलाओं ने कम्युनिटी निवेश फण्ड व बैंक ऋण की 100% वापसी, वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने, आजीविका गतिविधियों के विस्तार, तथा महिला प्रधान, एकल और अति-गरीब परिवारों को संवेदनशीलता कमी निधि Vulnerability Reduction Fund (VRF) और आजीविका योजनाओं से जोड़ने का संकल्प लिया। साथ ही लैंगिक-आधारित हिंसा, स्वास्थ्य, पोषण और समुदाय सुदृढ़ीकरण से जुड़े शपथ-पत्रों के पालन का भी संकल्प दोहराया।

उत्कृष्ट सखी मंडल व कैडरों का सम्मान-और भविष्य की दिशा:-

रजत जयंती वर्ष में आयोजित इस राज्यव्यापी कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कैडरों को सम्मानित किया गया। JSLPS द्वारा आयोजित यह व्यापक पहल न केवल झारखण्ड की 25 वर्षों की विकास यात्रा का उत्सव है, बल्कि आने वाले वर्षों में एक मजबूत, समावेशी और समुदाय-केन्द्रित विकास मॉडल की दिशा में ठोस कदम भी है।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
झारखण्ड 25
उलगुलान के महानायक
भगवान
बिरसा मुंडा
की 150वीं जयंती पर 25 वर्ष का
युवा झारखण्ड धरती आबा को नमन करता है
जोहार
उलिहातू
झारखण्ड के खूंटी स्थित उलिहातू की पहाड़ियों और जंगलों में जन्मा एक ऐसा महानायक, जिसने अपने साहस और संघर्ष से ब्रिटिश शासन को चुनौती दी। वे बिरसा मुंडा थे, जिन्हें उनके अनुयायियों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के रूप में पूजा।
बिरसा मुंडा ने आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष का बिगुल बजाया, उनका उद्देश्य स्पष्ट था। लोगों को उनकी भूमि और अधिकार वापस दिलाना।
बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी विचारों से विचलित हो कर ब्रिटिश शासकों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। जेल में ही 09 जून 1900 को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा शहीद हो गए।
लेकिन उनके उलगुलान का संदेश थमा नहीं। बिरसा मुंडा समेत वीर पुरखों के आदर्शों पर चल कर लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद आंदोलनकारियों ने झारखण्ड अलग राज्य का सपना पूरा किया। आज धरती आबा का युवा झारखण्ड हम सभी के समक्ष है।
श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से बाल दिवस के अवसर पर यूनिसेफ के पूर्व बाल पत्रकारों एवं युवाओं ने की मुलाकात

मौके पर मुख्यमंत्री के समक्ष बाल पत्रकारों ने झारखंड में 25 वर्षों की बाल अधिकार यात्रा के अनुभव साझा किए

- वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी के बच्चे-बच्चियां एवं युवाओं के समग्र विकास हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध
- राज्य की शिक्षा व्यवस्था में निरंतर हो रहा सकारात्मक बदलाव
- छात्रवृत्ति योजनाओं से विद्यार्थियों को मिल रही आर्थिक मदद

संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बाल दिवस के अवसर पर यूनिसेफ के पूर्व बाल पत्रकारों एवं युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने अपनी ओर से उन्हें बाल दिवस एवं झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने उपस्थित यूनिसेफ के पूर्व बाल पत्रकारों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज से 25 वर्ष पहले झारखंड ने एक राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी, उसी वर्ष आज के कई युवा अपने बचपन के पहले कदम रख रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी के बच्चों के समग्र विकास हेतु कई अलग-अलग योजनाओं का संचालन कर रही है जिससे उनको बेहतर दिशा दी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे-बच्चियां तथा युवा वर्ग ही राज्य एवं देश के भविष्य हैं, इन्हें हर रूप से मजबूत बनाकर ही एक समृद्ध और विकसित राज्य की परिकल्पना पूरी की जा सकती है।

छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ देकर विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से मदद पहुंचाया जा रहा हैमुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार प्राइमरी, मिडिल एवं हाई स्कूल के साथ-साथ कॉलेज में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से मजबूत करने निमित्त कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन कर रही है। अलग-अलग प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ देकर विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से मदद पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे-बच्चियों को शिक्षा ग्रहण करने में सबसे बड़ी बाधा गरीबी रहा है। आज से कुछ वर्ष पहले तक गरीब-जरूरतमंद परिवार के बच्चे शिक्षा नहीं ले पा रहे थे परंतु हमारी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में एक सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है जहां बच्चों के विकास की राह में गरीबी बाधा न बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 80 सरकारी विद्यालयों को सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस के रूप में अपग्रेड किया गया है जहां निजी विद्यालयों के तर्ज पर गरीब-जरूरतमंद परिवार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराया जा रहा है। आने वाले समय में राज्य में बड़ी संख्या में सरकारी विद्यालयों को सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस के रूप में परिवर्तित करने की योजना है ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी हमारी युवा पीढ़ी को बेहतर शिक्षा प्रदान की जा सके।राज्य सरकार जरूरत के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से योजनाओं का संचालन करती रहेगी मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि हमारे राज्य के विद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सेहतमंद बनाने के लिए कई अलग-अलग योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। आने वाले समय में राज्य सरकार जरूरत के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से योजनाओं का संचालन करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने उपस्थित यूनिसेफ के सभी पूर्व बाल पत्रकार एवं युवाओं से कहा कि जिस प्रकार आप सभी लोग सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, उसी प्रकार आपके वैसे साथी जो योजनाओं के लाभ से वंचित हैं उन्हें सरकार की योजनाओं से जोड़ने का कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक वर्ष 10वीं तथा 12वीं के टॉपर्स विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने का कार्य करती है। साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप, मोबाइल सहित सम्मान राशि भी प्रदान करती है। इस अवसर पर सचिव महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग श्री मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी से मुख्यमंत्री को अवगत कराया..

रेड सी इंटरनेशनल रमजान कॉलोनी कांटाटोली और आजाद बस्ती , रांची में बच्चों के साथ शानदार अंदाज से मनाया गया चिल्ड्रन डे

संवाददाता । रांची

आज दिनांक 14 नवंबर रेड सी इंटरनेशनल रमजान कॉलोनी कांटाटोली और आजाद बस्ती , रांची में बच्चों के साथ शानदार अंदाज से मनाया गया चिल्ड्रन डे।रेड सी इंटरनेशनल स्कूल, आजाद बस्ती और रमजान कॉलोनी कांटाटोली रांची में भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के यौमे-पैदाइश पर, जो हर साल 14 नवंबर को चिल्ड्रन डे के तौर पर मनाया जाता है। रेड सी इंटरनेशनल स्कूल, रमजान कॉलोनी, कांटाटोली और आजाद बस्ती में चिल्ड्रन डे बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की खास बात थी थीम आधारित गेटअप, जिसमें प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा 5 तक के बच्चों ने अपनी पसंदीदा भूमिकाएँ निभाईं। पूरे परिसर में एक रंगीन माहौल बना रहा और बच्चों ने अपने अंदाज से सबका दिल जीता। प्री-नर्सरी के बच्चों ने कार्टून कैरेक्टर बनकर माहौल को खुशियों से भर दिया। नर्सरी के बच्चों ने बार्बी और किंग की पोशाक पहनकर सबका ध्यान खींचा। प्रेप वर्ग के बच्चों ने जोधा-अकबर और बरफी जैसे किरदारों को खूब अच्छे अंदाज के साथ पेश किया। कक्षा 1 के बच्चों ने सुपरमैन और सुपरवुमन के रूप में ऊर्जा और जोश दिखाया। कक्षा 2 के बच्चों ने हॉरर थीम पर अनोखे और दिलचस्प लुक पेश किए। कक्षा 3 ने रेट्रो बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकारों की झलक दिखाई, जबकि कक्षा 4 के बच्चों ने भारतीय टीवी के कलाकारों के लुक से सबका मनोरंजन किया। रमजान कॉलोनी कांटाटोली रांची ब्रांच में स्कूल के बच्चों में खुशी का माहौल था। बच्चों की खुशी, उत्साह और खेलकूद से से चिल्ड्रन डे सेलिब्रेट किया। छात्रों के लिए कई मजेदार एक्टिविटीज, इंटरैक्टिव गेम्स और अन्य मजेदार कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रोग्राम की शुरूआत नेहरू जी की ज़िन्दगी पर और उनके बच्चों के प्रति विचारों को सबके सामने पेश किया गया।जिसके बाद बच्चों ने रंगा-रंग कार्यक्रम पेश कीं। टीचरों ने भी बच्चों को कई कहानियों के जरिये नेहरू जी के ख़्यालात से वाकि फ कराया।स्कूल के प्रिंसिपल ने श्रीमती सोनी केरकेट्टा ने कहा, ₹चिल्ड्रन डे ₹ का मकसद बच्चों में तालीम के लिए बेदारी पैदा करना और उनकी खुशी में शामिल होना है।

पारस हॉस्पिटल एचईसी में चिल्ड्रेन डे और डायबिटीज डे मना

संवाददाता । रांची

रांचीः पारस हॉस्पिटल एचईसी में शुक्रवार को चिल्ड्रेन डे और वर्ल्ड डायबिटीज डे संयुक्त रूप से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, गेम्स, हेल्दी फूड अवेयरनेस और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं, डायबिटीज की रोकथाम, जागरूकता और जीवनशैली में सुधार को लेकर विशेष हेल्थ टॉक, स्क्रीनिंग कैंप और परामर्श सत्र आयोजित किए गए। डॉक्टरों ने मरीजों को समय पर जांच, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में जानकारी दी। फैसलिटी डायरेक्टर नीतेश कुमार ने कहा कि यह संयुक्त आयोजन स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और बच्चों के समग्र विकास के उद्देश्य से किया गया है।पारस हॉस्पिटल हमेशा से समुदाय के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। पारस हॉस्पिटल हमेशा से उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और मरीजों के बेहतर उपचार के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

झारखण्ड राज्य के 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर राँची में वॉल पेंटिंग इवेंट, सिग्नेचर व सेल्फी अभियान में शहरवासियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता । रांची

झारखण्ड राज्य के 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शहरभर में विविध सांस्कृतिक एवं जनसहभागिता आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 14 नवम्बर 2025 को राँची नगर निगम द्वारा मोराबादी, जाकिर हुसैन पार्क एवं आयुक्त कार्यालय की चारदीवारी में वॉल पेंटिंग इवेंट का भव्य आयोजन किया गया।सुबह से ही प्रोफेशनल कलाकार झारखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली आकर्षक पेंटिंग्स, सोहराई कला तथा अन्य पारंपरिक कलाकृतियाँ बनाते हुए शहरवासियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।कार्यक्रम के दौरान कलाकारों का उत्साहवर्धन करने के लिए प्रशासक श्री सुशांत गौरव तथा उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने अपनी सहभागिता दर्ज की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल स्थानीय कला और कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि झारखण्ड की अनूठी सांस्कृतिक पहचान और खूबसूरती को भी नई ऊर्जा देते हैं।

??शहरवासी भी अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर इस कार्यक्रम का हिस्सा बनें, कलाकारों का मनोबल बढ़ाया और राज्य की अद्भुत सांस्कृतिक धरोहर को करीब से महसूस किया। इवेंट स्थल पर सिग्नेचर अभियान एवं सेल्फी प्वाइंट की भी व्यवस्था की गई, जहाँ आम नागरिक उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

??इस कार्यक्रम के तहत दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल के आयुक्त, श्री अंजनी कुमार मिश्र ने कचहरी स्थित आयुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित वॉल पेंटिंग कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। आयुक्त महोदय ने झारखण्ड राज्य के सभी नागरिकों को राज्य की 25वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं जनभागीदारी की अनूठी मिसाल प्रस्तुत करते हैं।??इस अवसर पर अपर प्रशासक श्री संजय कुमार, उप प्रशासक श्री रविंद्र कुमार, उप प्रशासक श्री गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक सहित नगर निगम की पूरी टीम उपस्थित रही और झारखण्ड स्थापना दिवस को भव्य एवं यादगार बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

हुदैबिया इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संवाददाता । रांची

रांची। हुदैबिया इंटरनेशनल स्कूल कांके और डोरंडा में बाल दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस अवसर पर छात्रों द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसका अवलोकन स्कूल के छात्रों और शिक्षकों के द्वारा किया गया। पंडित जवाहर लाल नेहरू की जीवनी और देश की आजादी के आंदोलन पर प्रकाश डाला गया एवं बच्चों के प्रति चाचा नेहरू के प्रेम को बाल दिवस के रूप मे मनाने का कारण भी बच्चों को बताया गया। इस अवसर पर बच्चों को मिठाइयां भी दी गई । इस मौके पर प्राचार्य जेबा मैम, स्कूल हेड मो रिजवान सर, इवेंट मैनेजर जाहिदा नजीर समेत स्कूल शिक्षक और स्टॉफ आदि मौजूद थे।

सोमेश चंद्र सोरेन ने भाजपा प्रत्याशी बाबूलालसोरेन को 38,524 वोट से हराया

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झामुमो (जेएमएम)प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन की जीत हुई है। उन्हें 1,04794मत मिले। सोमेश चंद्र सोरेन ने भाजपा प्रत्याशी बाबूलालसोरेन को 38,524 वोट से हराया।20 राउंड की काउंटिंग में सोमेश चंद्र सोरेन ने शुरू से हीबढ़त बनाए रखी। वहीं, झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारीमोर्चा (जेएलकेएम) के उम्मीदवार रामदास मुर्मू तीसरे नंबरपर हैं। उन्हे 11,542 मत प्राप्त हुए।

हिंदपीड़ी के ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल में बाल दिवस का भव्य आयोजन

नेहरू-अबुल कलाम आजाद को श्रद्धांजलि

संवाददाता । रांची

राँची, 14 नवंबर 2025: हिन्दपीड़ी सेकंड स्ट्रीट स्थित ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल में बाल दिवस का उत्सव हर्षोल्लास और रंगारंग कार्यक्रमों के बीच धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और प्रथम शिक्षा मंत्री व भारत रत्न अबुल कलाम आजाद को संयुक्त रूप से याद किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पवित्र कुरान के तिलावत और अतिथियों के स्वागत से हुई, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रभावशाली भाषण दिए। इसके अतिरिक्त बच्चों के द्वारा बनाये गए कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की गयी। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) के संयोजक व वक्फ बोर्ड झारखण्ड के सदस्य इबरार अहमद ने कहा, ₹यह नवंबर महीना भारत के वीर सपूतों के जन्मोत्सव का प्रतीक है। 11 नवंबर को हमने अबुल कलाम आजाद को याद किया, आज बाल दिवस पर पंडित नेहरू की बातें कर रहे हैं, और कल 15 नवंबर को वीर बिरसा मुंडा के बलिदान व योगदान को स्मरण करेंगे। इन महान हस्तियों के विचारों को आत्मसात करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने इसके लिए प्रिंसिपल नाजिया तबस्सुम और समस्त शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी।

ब्रीफ न्यूज

युवा ही झारखंड की सबसे बड़ी शक्ति और राष्ट्र के भविष्य-निमार्ता : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार

संवाददाता ।

- डीपीएस बोकारो के वार्षिकोत्सव ह्यनक्षत्रह्व में बच्चों ने बिखेरी सतरंगी छटा, 392 मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित
- महामहिम ने सजग, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाना बताया शिक्षा का उद्देश्य

बोकारो। हमारा झारखंड प्राकृतिक संपदाओं, जनजातीय गौरव, विविध परंपराओं और जीवंत सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध है, परंतु झारखंड की सबसे बड़ी शक्ति आप युवा शक्ति है। आप ही इस राज्य और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता हैं। नवाचार, उद्यमिता, विज्ञान, सेवा और नैतिक नेतृत्व के माध्यम से आप झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित कर सकते हैं। मैं ऐसे झारखंड की कल्पना करता हूं जहां हर युवा सक्षम, आत्मविश्वासी और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित हो। यह कहना है झारखंड के राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार का। शुक्रवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के वार्षिकोत्सव समारोह नक्षत्र में उपस्थित सैकड़ों विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। इस अवसर पर सत्र 2024-25 में असाधारण शैक्षिक प्रदर्शन के लिए कक्षा 6 से 11वीं के कुल 392 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सभी को जोहार के साथ बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए समारोह के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल ने आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा को भोजन, वस्त्र और आवास के बाद मानव के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें सही विचार, सही निर्णय और सही दिशा प्रदान करती है। यह प्रमुख समस्याओं का समाधान प्रदान करने में सक्षम है, यह अच्छी आदतों और सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देती है। यह हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है और जीवन को सार्थक बनाती है। शिक्षा का उद्देश्य एक सजग, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनना है।

परीक्षा एक उत्सव, न बनने दें तनाव का कारण

राज्यपाल श्री गंगवार ने उपस्थित विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में हमारे विद्यार्थियों पर अत्यधिक दबाव, असफलता का भय और अपेक्षाओं का भार मानसिक तनाव का कारण बन रहा है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम भी विद्यार्थियों को यही प्रेरणा देता है कि परीक्षा को उत्सव की तरह लें, न कि तनाव का कारण बनने दें। हमें ऐसा वातावरण बनाना है, जहां प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, सम्मानित और समर्थ महसूस करे, ताकि वह बिना भय के अपने सपनों की उड़ान भर सके। जीवन की वास्तविक सफलता केवल अंकों में नहीं मापी जाती। किसी भी प्रकार की चिंता को अपने मन पर हावी न होने दें। प्रत्येक चुनौती एक नया अवसर लेकर आती है। स्वयं पर विश्वास रखें, अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें, साहस और धैर्य के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहें।

राज्यपाल ने की सराहना, कहा- देश के उत्कृष्ट विद्यालयों में डीपीएस बोकारो का विशिष्ट स्थान

राज्यपाल श्री गंगवार ने विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार सहित सम्पूर्ण डी.पी.एस., बोकारो परिवार के ज्ञान, अनुशासन और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि डी.पी.एस., बोकारो न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के उत्कृष्ट विद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। यह वह संस्थान है, जिसने देश को अनेक विद्वान, चिकित्सक, अभियंता, रक्षा एवं प्रशासनिक व पुलिस सेवाओं के अधिकारी, विधि विशेषज्ञ और उद्यमी दिए हैं, जो राष्ट्र का नाम विश्वपटल पर गौरवान्वित कर रहे हैं। विद्यालय की उपलब्धियों और दीपांश शिक्षा केंद्र तथा कोशिश- निःशुल्क महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से समाजोत्थान में किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए श्री गंगवार ने इन्हें इस संस्थान की गौरवशाली परंपरा और उत्कृष्ट शैक्षणिक स्तर की प्रतीक बताया। इसे और भी गति देने की जरूरत बताते हुए उन्होंने आशा जताई कि वर्ष 2026 में जब विद्यालय अपनी 40 वर्षों की यात्रा पूरी करेगा, तब यह शिक्षा, संस्कृति और प्रगति का द्योतक बनकर और अधिक आलोकित होगा। उन्होंने नक्षत्र झ स्कॉलर बैज समारोह को उत्कृष्ट उपलब्धि, गौरव और आत्मविश्वास का उत्सव बताते हुए सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को बधाई दी।

खैराचातर में संस्कार पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया बाल दिवस

संवाददाता ।

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के खैराचातर स्थि त रणवि जय मेमोरियल संस्का र पब्लि क स्कूल में शुक्रवार को बाल दिवस उत्सा ह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वि द्यालय परिवार की ओर से बच्चों को उपहार एवं टॉफी वि तरित की गयी और उनके उज्ज्वल भविष् य की कामना की गयी। कार्यक्रम की शुरूआत शिक्ष कों और छात्रों द्वारा पंडि त जवाहरलाल नेहरू के चि त्र पर माल्यार्प ण कर हुई। वि द्यालय की प्राचार्या वि भा पांडेय ने बच्चों को संबोधि त करते हुए कहा कि बाल दिवस सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि बच्चों के अधि कार, उनकी खुशिय ों और उनकी संभावनाओं को सम्मा न देने का अवसर है। बच्चे देश का भविष् य ही नहीं, वर्तमान का उजाला भी हैं। आज की पीढ़ी पहले से कहीं अधि क जि ज्ञासु, संवेदनशील और सक्षम है। उन्हें सही दिशा, सकारात्मक वातावरण और अच्छे संस्का र देना हर अभि भावक और शिक्ष क का नैति क दायि त्व है। शिक्ष कों ने बच्चों के बीच विभि न्न मनोरंजक गतिविधिय ां आयोजि त कीं। कई छात्रों ने कवि ता, गीत और नृत्य प्रस्तु त कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में मि ठू कुमारी, वरीय शिक्ष क नि शाकर दे, राजीव रंजन, सरिता कुमारी, अब्दुल शाहिद अंसारी, अब्दुल कादिर अंसारी, छोटेलाल ठाकुर, सबि ता पांडेय, धनेश्वर महतो, रिय ा जायसवाल, शाहिद ा साले हा, पुष्पां जलि कुमारी, उमा कुमारी, सुषमा कुमारी, मीनू कुमारी, रणजीत कुमार, डि पल शर्मा सहि त कई शिक्ष क-शिक्षि काएं मौजूद थे

रांची
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
www.vananchaleye@gmail com
हर खबर पर पहली नजर
झारखंड स्थापना 25
₹5
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:69 | शनिवार,15 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

रांची के मोहराबादी मैदान में आज होगा मुख्य कार्यक्रम

संवादाता

रांची। झारखंड का 25वां स्थापना दिवस 15 नवंबर, शनिवार को राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में धूमधाम से मनाया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में दोपहर दो बजे से शुरू होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राज्यपाल संतोष गंगवार शामिल होंगे। यह जानकारी शुक्रवार को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दी। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी के. राजू होंगे। इसके अलावा कार्यक्रम के अन्य अतिथियों में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची से सांसद संजय सेठ, राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री संजय प्रसाद यादव, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहु, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा और रांची से विधायक सीपी सिंह होंगे। राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को सुबह 11 बजे से जतरा का आयोजन डोरंडा स्थित जैप-1 मैदान से मेन रोड स्थित जेल चौक के बिरसा मुंडा स्मृति पार्क तक किया जाएगा।

सीएम को हाईकोर्ट की रजत जयंती समारोह में शामिल होने का मिला आमंत्रण

संवादाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी, विधि (न्याय) विभाग के नीरज कुमार श्रीवास्तव ने भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को 15 नवंबर 2025 को झारखंड उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले रजत जयंती समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

फर्जी प्रमाण पत्र की जांच के लिए समिति गठित करने का निर्देश

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सरकारी एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में यूजी और पीजी चिकित्सा पाठ्यक्रमों में फर्जी जाति, स्थानीय निवासी एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र के आधार पर लिए गए प्रवेश मामलों पर गंभीरता दिखाते हुए उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में एक अंतरविभागीय समिति गठित करने का आदेश दिया है, जो सभी संदिग्ध अभ्यर्थियों से जुड़े मामलों की जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि समिति की जांच रिपोर्ट के आधार पर सीआईडी द्वारा प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बिहार में प्रचंड जीत के साथ फिर एनडीए सरकार

भाजपा 91 सीटें हासिल कर पहली बार बनी सबसे बड़ी पार्टी, महागठबंधन 35 सीटों पर सिमटी

एजंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीतिक तस्वीर लगभग साफ कर दी है। चुनाव परिणाम में साफ हो गया है कि राज्य में एनडीए का बहुमत की सरकार बन रही है। भाजपा पहली बार 90 सीटों के साथ बिहार की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। जबकि जदयू 85 सीट जीत कर दूसरे नंबर पर है। एनडीए की ही सहयोगी लोजपा (रा) 19 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि हम 5 सीट और रालोमो- 4 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, महागठबंधन में राजद 24 सीटों पर, कांग्रेस 6 सीटों पर तो वामदल 3 सीटों पर आगे है। उधर एआईएमआईएम - 5 सीटें जीतने में सफल रही है। चुनाव आयोग ने 243 सीटों का परिणाम जारी कर दिया है। जिसके अनुसार एनडीए को 203 सीट पर महागठबंधन 34 सीट पर, एआईएमआई-5 सीटों पर काबिज हुई है। इस तरह विधानसभा चुनाव में एनडीए पर मतदाताओं ने भरोसा जताया और इसे पूर्ण बहुमत हासिल हुआ। इसका श्रेय एनडीए घटक दलों के आपसी तालमेल और बेहतर रणनीति के तहत चुनाव लड़ने को जाता है। एनडीए घटक दलों के कार्यकताओं ने एक दूसरे पर भरोसा जताया। विपक्ष की तरह से घटक दलों के कार्यकताओं में फूट डालने के लिए तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जाती रहीं, लेकिन कार्यकताओं की एकजुटता कायम रखने में एनडीए का कुशल नेतृत्व

सफल हुआ। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड वापसी की है। 101 में से 91 सीटें जीतकर पार्टी निर्णायक शक्ति बनकर उभरी है। पार्टी ने ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसकी कल्पना खुद शीर्ष नेतृत्व को नहीं था। बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 101 सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाली भाजपा ने 91 सीटें जीतकर न सिर्फ अपनी राजनीतिक ताकत का प्रमाण दिया, बल्कि गठबंधन की राजनीति में अपनी केंद्रीय भूमिका भी तय कर दी। भाजपा का राज्य में यह अब तक का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन माना जा रहा है। वहीं एनडीए ने कुल 202 सीट जीतकर फिर धमाकेदार वापसी की है। प्रचंड जीत के बाद भाजपा, जदयू, हम. रालोमो और लोजपा(रा) के कार्यालयों और पार्टीजनों के घरों में जश्न का माहौल है। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान एनडीए प्रत्याशियों के लिए भाजपा के स्टार प्रचारकों ने कुल 565 जनसभाएं की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात बार बिहार आए और 14 चुनावी सभाएं और एक रोड शो किया। वहीं, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम दिन तक कुल 36 जनसभा और रोड शो किया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुल 31 जनसभा व रोड शो किया। जिन इलाकों में मोदी, योगी और शाह ने चुनावी सभाएं की है, वहां पर एनडीए परचम लहराया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने 24 अक्टूबर को समस्तीपुर के कपूरी ग्राम से प्रचार अभियान की शुरूआत की थी, इसके बाद से लगातार पीएम मोदी ने समस्तीपुर, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, छपरा, सहरसा, कटिहार, आरा, नवादा, भागलपुर, अररिया, औरंगाबाद, भभुआ, सीतामढ़ी और बेतिया में सभाएं की।

एनडीए की आंधी में महागठबंधन ध्वस्त

89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भाजपा, जदयू को 85 सीटें

एजेंसी

नई दिल्ली :6 और 11 नवंबर को बिहार में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम शुक्रवार (14 नवंबर) को आ गए। नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस यानी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को जनता ने छप्पर फाड़ बहुमत दिया है। एनडीए की आंधी में एक प्रकार से महागठबंधन इस चुनाव में ध्वस्त हो गया है। जीती हुई सीटें और जितनी सीटों पर बढ़त बनी हुई है, उससे स्पष्ट है कि एनडीए को 243 सदस्यीय विधानसभा में दो तिहाई बहुमत हासिल हो चुका है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ताजा नतीजों के

अनुसार, एनडीए ने 202 सीटों पर जीत दर्ज की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसकी सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 85 सीटें जीती। लोजपा (आर) ने 19 सीटों पर जीत हासिल की है। अन्य घटक दलों ने 9 सीटें जीती हैं। राजग खेमे से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, राज्य मंत्री प्रेम कुमार, महेश्वर हजारी और संजय सरावगी जैसे कई प्रमुख नेता विजेता रहे। दूसरी ओर विपक्षी महागठबंधन इस बार सिर्फ 34 सीटों पर सिमट गया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के खाते में सिर्फ 25 सीटें ही आ सकीं। जबकि कांग्रेस ने 6 सीट जीती है। भाकपा (माले) ने दो सीटें जीती है। अन्य घटक को एक पर जीत मिली है। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने पांच सीटों पर जीत हासिल की है। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज क

13 प्रत्याशी थे मैदान में, 10 की जब्त हो गई जमानत

घाटशिला विस उपचुनाव : झामुमो के सोमेश सोरेन ने भारी मतों से मारी बाजी

संवाददाता

घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन ने भारी मतों से जीत दर्ज की है। की जीत हुई है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को 38,601 वोट से पराजित किया। सोमेश 1,04,936 मत मिले। बाबूलाल सोरेन को 66,335 मतों से ही संतोष करना पड़ा। जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज स्थित मतगणना केंद्र में 20 राउंड की काउंटिंग में सोमेश चंद्र सोरेन ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के उम्मीदवार रामदास मुर्मू तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें 11,563 मत प्राप्त हुए। यहां बता दें कि राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के आकस्मिक निधन की वजह से घाटशिला सीट एक वर्ष में ही खाली हो गई थी। इस बार उपचुनाव में कुल 13 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे, जिनमें 10 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। 11 नवंबर को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्तमतदान सम्पन्न हुआ था। कुल 74.63 प्रतिशत मतदान दर्ज कियागया था।रिक्त देश के 6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव हुआ था। सबका रिजल्ट सामने आ चुका है। राजस्थान की अंता (बारां) सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी।

सिर्फ एक बार हुई है भाजपा की जीत

दिल्ली ब्लास्ट में जांच के दौरान हुआ बड़ा खुलासा, विस्फोट के समय उमर ही था कार में

धमाके के लिए नूंह से खरीदा गया था अमोनियम नाइट्रेट

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली में लाल किला के पास 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट का कनेक्शन अब हरियाणा के नूंह (मेवात) जिले के पिनगवां क्षेत्र से सामने आया है। विस्फोट से जुड़े केस की जांच कर रही जांच एजेंसी ने खाद विक्रेता दिनेश सिंगला उर्फ डब्बू को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। आरोप है कि डब्बू ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. मुजम्मिल शकील को बिना रिकॉर्ड अमोनियम नाइट्रेट उपलब्ध करवाया, जबकि उसके पास अमोनियम

नाइट्रेट रखने का लाइसेंस नहीं था। बताया गया कि यही अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक तैयार करने में इस्तेमाल हुआ। अल फलाह यूनिवर्सिटी से दो डॉक्टर, दो स्टाफ सहित अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने पुलवामा में आतंकी डॉ. उमर नबी के घर को आईईडी ब्लास्ट से उड़ा दिया है। गुरुवार को ही डीएनए मैचिंग के बाद इस बात की पुष्टि हुई है कि कार में उमर ही था। उमर पुलवामा के कोइल इलाके में रहता था। पुलिस उसके माता-पिता और भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ब्लास्ट के बाद गिरफ्तार डॉ. शाहीन के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया है। आईएमए ने डॉक्टर शाहीन की आजीवन सदस्यता तत्काल प्रभाव रद्द कर दी है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर किया पोस्ट

शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था यह चुनाव : राहुल गांधी

संवाददाता

शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे को चौंकाने वाला करार दिया और कहा कि विपक्षी गठबंधन एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सका, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महागठबंधन पर विश्वास जताया। बिहार का यह परिणाम वाकई चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर

सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने लिखा कि यह संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई है। राहुल ने कहा, कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेंगे और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की भारी जीत की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि इस जीत ने एक नया 'एमवाई- महिला और यूथ' फॉर्मूला दिया है और जनता ने 'जंगलराज' वालों के सांप्रदायिक एमवाई फॉर्मूले को नकार दिया है। मोदी ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा

दिल्ली ब्लथासट बाल दिवस पर यूनिसेफ के पूर्व बाल पत्रकारों व युवाओं ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, सीएम बोले

राज्य की शिक्षा व्यवस्था में निरंतर हो रहा सकारात्मक बदलाव

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बाल दिवस के अवसर पर यूनिसेफ के पूर्व बाल पत्रकारों एवं युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी ओर से उन्हें बाल दिवस एवं झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने उपस्थित यूनिसेफ के पूर्व बाल पत्रकारों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज से 25 वर्ष पहले झारखंड ने एक राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी, उसी वर्ष आज के कई युवा अपने बचपन के

पहले कदम रख रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी के बच्चों के समग्र विकास हेतु कई अलग-अलग योजनाओं का संचालन कर रही है जिससे उनको बेहतर दिशा दी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे-बच्चियां तथा युवा वर्ग ही राज्य एवं देश के भविष्य हैं, इन्हें हर रूप से मजबूत बनाकर ही एक समृद्ध और विकसित राज्य की परिकल्पना पूरी की जा सकती है।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार प्राइमरी, मिडिल एवं हाई स्कूल के साथ-साथ कॉलेज में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से मजबूत करने निमित्त कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन कर रही है। अलग-अलग प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ देकर विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से मदद पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे-बच्चियों को शिक्षा ग्रहण करने में सबसे बड़ी बाधा गरीबी रहा है। आज से कुछ वर्ष पहले तक गरीब-जरूरतमंद परिवार के बच्चे शिक्षा नहीं ले पा रहे थे परंतु हमारी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में एक सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है जहां बच्चों के विकास की राह में गरीबी बाधा न बन सके।

12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 42 करोड़ फॉर्म मतदाताओं को बांटे गए

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को बताया कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अब तक 42 करोड़ (82.71 प्रतिशत) फॉर्म मतदाताओं को बांटे गए हैं। इन सभी राज्यों में 50.99 करोड़ मतदाता हैं। तमाम विरोध के बावजूद बंगाल में 93 प्रतिशत फॉर्म बांटे जा चुके हैं, जो गुजरात के 94 प्रतिशत और राजस्थान के 86 प्रतिशत से काफी अधिक है। मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) का दूसरा दौर 4 नवंबर को 12 राज्यों में शुरू हुआ था। स्पेसिफिक इंयुमरेशन फॉर्म छापने और मतदाताओं तक पहुंचाने का काम जारी है। एसआईआर के विरोध की सबसे ज्यादा चर्चा में बंगाल है। चुनाव आयोग का दावा है कि एसआईआर का काम बंगाल में तेजी से काम किया रहा है। तृणमूल ने दावा किया

है कि एसआईआर मुद्दे पर प्रदेश में 18 लोगों की मौत हुई है। तृणमूल ने आरोप लगाया है कि आयोग ने एसआईआर के बीच बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्ति के नियम बदले हैं। देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची अपडेट करने के लिए बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) 4 नवंबर से घर-घर पहुंचे रहे हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि इन राज्यों में वोटर लिस्ट एसआईआर के लिए बीएलओ की ट्रेनिंग 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक हुई।:

एनडीए की जीत नीतीश ने जताया आभार, सम्राट बोले : बिहार ने अहंकारी को नकारा

पटना। बिहार के अब तक के रुझानों से तस्वीर साफ हो चुकी है। एनडीए के मुकाबले महागठबंधन काफी पीछे है। एनडीए का आंकड़ा 200 पार कर गया है। सम्राट, प्रेम, अनंत, नितिन समेत कई दिग्गज चुनाव जीत चुके हैं। NDA अब शपथ ग्रहण की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस महज पांच पर ही आगे चल रही है। राघोपुर से तेजस्वी यादव ने बढ़त हासिल कर ली है। जानिए कहां-क्या हो रहा है। लोकगायिका और नवविजेता विधायक मैथिली ठाकुर ने अपनी जीत को अलीनगर की जनता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि उनका पहला लक्ष्य अलीनगर को आदर्श नगर बनाना और पार्टी के मैनिफेस्टो के अनुसार सभी सुविधाएं बहाल कराना होगा। मैथिली ने क्षेत्र में भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात कही और आश्वासन दिया कि रुके हुए विकास कार्य अब तेजी से आगे बढ़ेंगे। बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जनता और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जनता के भरोसे का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रचंड जनादेश नारीशक्ति के समर्थन, युवाओं के भरोसे, किसानों की उम्मीदों और बुजुर्गों की संतुष्टि का प्रतीक है। सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास न कोई मुद्दा था, न कोई ठोस योजना, इसलिए जनता ने अहंकारी और भ्रष्टाचारी नेतृत्व को पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने इसे सुशासन और विकास पर जनता की मुहर बताया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीए ने लोगों के लिए काम किया है और खासकर महिलाओं ने सुरक्षित माहौल के कारण एनडीए पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया कि अब बिहार में जंगलराज या माफियाराज की कोई जगह नहीं, राज्य नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा। किशनगंज में शांतिपूर्ण माहौल में मतगणना संपन्न हुई और जिले की चारों विधानसभा सीटों के नतीजे सामने आ गए। दो सीटों पर AIMIM, एक पर कांग्रेस और एक पर जदयू ने जीत दर्ज की। बहादुरगंज से अख्तरुल के तौसीफ आलम, ठाकुरगंज से जदयू के गोपाल कुमार अग्रवाल, किशनगंज से कांग्रेस के कमरूल होदा और कोचाधामन से अख्तरुल के सरवर आलम विजयी हुए। जीत के बाद कार्यकर्ताओं ने रंग-गुलाल, पटाखों और डीजे के साथ जश्न मनाया। राजनीतिक पंडितों के मुताबिक, सीमांचल में अख्तरुल बड़ा फैक्टर बनकर उभरी है, जिससे महागठबंधन को नुकसान हुआ। सुपौल जिले की सभी पांचों विधानसभा सीटों पर एनडीए गठबंधन ने जीत दर्ज की है, हालांकि औपचारिक घोषणा अभी बाकी है। जदयू के वरिष्ठ मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सुपौल में जीत हासिल की, जबकि भाजपा के नीरज कुमार सिंह ने फिर से बाजी मारी। त्रिवेणीगंज में सीटिंग विधायक का टिकट कटने के बाद पहली बार जदयू प्रत्याशी बनी सोनम रानी ने भी जीत दर्ज की। निर्मली से जदयू के अनिरुद्ध प्रसाद यादव छठी बार विधायक बने, वहीं पिपरा से जदयू के रामविलास कामत ने लगातार दूसरी जीत हासिल की। NDA की जीत के बाद नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा कि बिहार विधान सभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उनसे मिले सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद। एनडीए गठबंधन ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए भारी बहुमत हासिल किया है। इस भारी जीत के लिए एनडीए गठबंधन के सभी साथियों का भी आभार। आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा तथा बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम छह बजे तक के रुझानों में भाजपा 91 सीटों पर, जदयू 83 सीटों पर और राजद 25 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। लोजपा (रा.) 19 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि कांग्रेस को 6 सीटों पर बढ़त मिली है। सीपीआई(एमएल) 3 सीटों पर, हम पार्टी 5 सीटों पर और राष्ट्रीय लोक मोर्चा 4 सीटों पर आगे है। अख्तरुल भी 5 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि वीआईपी, सीपीआई (एम) और बसपा को 1-1 सीट पर बढ़त मिली है। कुल मिलाकर 243 सीटों पर रुझान आए हैं। गया जिले में इस बार चुनावी नतीजों ने कई दिलचस्प संदेश दिए। गया टाउन सीट से बीजेपी के वरिष्ठ नेता और सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार विजयी हुए, जबकि गुरुआ सीट से पहली बार चुनाव लड़ रहे बीजेपी प्रत्याशी उपेंद्र प्रसाद ने जीत दर्ज की, जहां जातीय समीकरण उनके पक्ष में प्रमुख फैक्टर माना गया। अतरी विधानसभा से हम के उम्मीदवार रोमित कुमार ने विकास और जंगलराज के मुद्दों के सहारे पहली बार जीत हासिल की। टिकारी में राजद उम्मीदवार अजय कुमार ने अपने पहले ही चुनाव में सबको चौंकाते हुए जीत दर्ज की, जिसमें राजद सांसद अभय कुशवाहा की भूमिका अहम बताई जा रही है। वहीं इमामगंज से हम की दीपा कुमारी विजयी रहीं, जिससे पार्टी को महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। बेगूसराय की सभी सात विधानसभा सीटों के नतीजे साफ हो गए, जिसमें एनडीए ने पांच और महागठबंधन ने दो सीटों पर जीत दर्ज की। मटिहानी की हॉट सीट पर राजद के नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह ने जेडीयू के राजकुमार को करीब छह हजार वोटों से हराया। चेरियां बरियारपुर से जदयू के अभिषेक आनंद, बछवारा से खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता और बेगूसराय से भाजपा के कुंदन कुमार ने क्रमशः अपने विरोधियों को मात दी। बखरी से लोजपा (रा.) के संजय पासवान ने सीपीआई विधायक सूर्यकांत पासवान को हराया, जबकि तेघरा में भाजपा के रजनीश कुमार ने सीपीआई के रामरतन सिंह को पराजित किया। साहेबपुर कमाल सीट पर राजद के सतानंद संबुद्ध विजयी रहे। सभी विजेताओं ने अपनी जीत को जनता और विकास की जीत बताया। गोपालगंज जिले के सभी 6 सीटों पर एनडीए ने अपना कब्जा जमा लिया है। जिले में महागठबंधन का खाता भी नहीं खुला है। बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी, बरौली से जदयू प्रत्याशी मनजीत सिंह, गोपालगंज सदर विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी सुभाष सिंह, हथुआ से जदयू प्रत्याशी रामसेवक सिंह, कुचायकोट से जदयू प्रत्याशी अमरेंद्र कुमार पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय एवं भोरे विधानसभा से जदयू प्रत्याशी सुनील कुमार ने जीत दर्ज की है। जिले में जहां जदयू के चार तो वहीं भाजपा के दो प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है।

लहसुना थाना में चलाया गया 'ऑपरेशन मुस्कान

खोया हुआ फोन किया बरामद, मोबाइल वास्तविक मालिक को सौंपा गया

पटना। जिले के लहसुना थाना ने अपने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत एक खोया हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है। शुक्रवार को यह फोन उसके वास्तविक मालिक रोहित कुमार (पिता: महेश सिंह, ग्राम क्रीमदिचक) को सौंप दिया गया। थाना अध्यक्ष खुशबू खातून की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई से यह सफलता मिली। रोहित कुमार ने कुछ समय पहले लहसुना थाना में अपना मोबाइल फोन खो जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए, पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत खोजबीन शुरू की। थाना प्रभारी खुशबू खातून के नेतृत्व में एक टीम ने तकनीकी संकेतों और स्थानीय पूछताछ के आधार पर मोबाइल की लोकेशन का पता लगाया। सटीक जानकारी मिलने के बाद, टीम ने मोबाइल को बरामद कर लिया। आवश्यक सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने के बाद, बरामद मोबाइल को उसके वास्तविक धारक रोहित कुमार को सौंप दिया गया। पुलिस की यह कार्रवाई न केवल एक खोई हुई संपत्ति की वापसी थी, बल्कि जनता के प्रति उनकी तत्परता और सेवा भावना का भी एक उदाहरण बनी। थाना प्रभारी खुशबू खातून ने बताया कि 'ऑपरेशन मुस्कान' का मुख्य उद्देश्य ऐसे मामलों में त्वरित परिणाम देना और नागरिकों का पुलिस पर भरोसा बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा कि समुदाय के सहयोग और कुशल जांच के माध्यम से भविष्य में भी ऐसी ही और सफलताएं हासिल की जाएंगी थाना अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से अपील की है कि किसी भी संपत्ति के खो जाने पर तुरंत नजदीकी थाने से संपर्क करें और विस्तृत जानकारी साझा करें उनका कहना है

कि समय पर शिकायत दर्ज कराने और पुलिस व जनता के संयुक्त प्रयासों से बेहतर और त्वरित परिणाम प्राप्त होते हैं।

बच्चियों में शरीर की स्वच्छता बहुत जरूरी

पटना। महिला समन्वय के तत्वावधान में दानापुर खगौल के कस्तूरबा स्कूल और घनश्याम बालिका विद्यालय में कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं के बीच नारी सुरक्षा पैड का वितरण किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को मासिक स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। महिला समन्वय दक्षिण बिहार प्रांत टोली सदस्य संगीता मिश्रा, रेखा कुमारी और कल्याणी बरनवाल ने बताया कि ये पैड केले के रेशों से बनाए गए हैं, जो पूर्णतः बायोडिग्रेडेबल हैं और पर्यावरण के अनुकूल हैं। इनका उपयोग सिंथेटिक पैड की तुलना में अधिक सुरक्षित है क्योंकि इनमें किसी भी प्रकार का हानिकारक रसायन नहीं होता।

संक्षिप्त डायरी

महिलाओं से पॉलीथिन का प्रयोग नहीं करने की अपील

पटना। नव अस्तित्व फाउंडेशन की ओर से गुरुवार को राजेंद्र नगर सब्जी मंडी में महिलाओं की पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सब्जी खरीदने आई महिलाओं को कपड़े के झोले दिए गए। उनसे पॉलीथिन का उपयोग न करने की अपील की गई। लोगों को पंपलेट्स के जरिए बताया गया कि पर्यावरण बचाने में हम सबकी क्या भूमिका हो सकती है। इस कार्यक्रम में टीपीएस कॉलेज के सोशल वर्क विभाग के 120 छात्र-छात्राओं ने इंटर्नशिप के तहत हिस्सा लिया। इससे पहले छात्रों ने डोनेशन ड्राइव चलाकर कार्यक्रम के लिए धन जुटाया। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष पल्लवी सिन्हा और सचिव अमृता सिंह के साथ कॉलेज की ओर से नंदन कुमार, राजकुमार, गोल्डन कुमार, मोहित राज, अल्पना कुमारी, प्रिया, रिया, स्नेहा, सूरज कुमार, आराध्या और खुशी कुमारी सहित कई छात्र उपस्थित रहे।

'नीतीश कुमार ही रहेंगे बिहार के सीएम', एनडीए की प्रचंड जीत पर चिराग पासवान का बड़ा बयान

पटना। बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन की महागठबंधन पर भारी जीत मिलने के बीच लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि नीतीश कुमार ही राज्य के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। पासवान ने तेजस्वी यादव/राहुल गांधी नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन की अहंकार को उनकी करारी हार का कारण बताया और कहा कि एनडीए साझेदारों की एकजुटता में जनता के विश्वास ने उन्हें बड़ी जीत दिलाई है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि नीतीश कुमार ही बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

विपक्ष की अपमानजनक हार का कारण अहंकार है और यही उसकी गिरावट का मुख्य कारण बना। उन्होंने आगे कहा कि हमारी भारी जीत डबल-इंजन सरकार की मजबूती का परिणाम है, जिसे केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मिलकर चला रहे हैं। बिहार की जनता ने एनडीए साझेदारों की एकता पर पूरा भरोसा जताया है, और इसी ने हमें जीत दिलाई है। बता दें कि मढ़ौरा विधानसभा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भोजपुरी एक्ट्रेस सीमा सिंह को टिकट दिया था, लेकिन सीमा सिंह का नामांकन खारिज हो गया। इसके बाद जेजेपी-आर ने इस सीट से निर्दलीय उम्मीदवार अंकित कुमार को समर्थन दिया था।

गोगरी में अतिक्रमण और ई-रिक्शा से जाम : प्रमुख चौराहों और सड़कों पर आवागमन बाधित

खगड़िया। जिले के गोगरी प्रखंड क्षेत्र के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर अतिक्रमण तथा ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से आए दिन जाम लग जाता है। इससे लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ता है। अतिक्रमण के कारण जमालपुर भगवा चौक, जमालपुर रामपुर रोड, रजिस्ट्री मोड़, गोगरी लाल दुर्गा मंदिर और गोगरी शिव मंदिर तक सड़कें संकरी हो गई हैं। कई स्थानों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। घंटों जाम में फंसे रहने से लोग प्रशासन की उदासीनता से क्षुब्ध हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान ठप होने से फुटकर विक्रेता, सब्जी-फल वाले और ई-रिक्शा चालक सड़कों पर कब्जा जमाए हुए हैं। इससे यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। जमालपुर भगवा चौक, जो जमालपुर बाजार का मुख्य केंद्र है, चारों ओर से अतिक्रमण की चपेट में है। यहां 20 फीट चौड़ी सड़क अब केवल 10 फीट रह गई है। एक तरफ ठेले लगते हैं तो दूसरी तरफ सब्जी बाजार सजता है, जिससे आवागमन में भारी दिक्कत होती है। गोगरी नगर परिषद की कार्यपालक

पदाधिकारी सोनी कुमारी ने बताया कि प्रशासन द्वारा कई बार अतिक्रमण हटाया गया है, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव का माहौल है, सरकार बनने के बाद बाजार और सड़कों को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

नालंदा का बेटा अनुपम कुमार रचेगा टोक्यो में इतिहास

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के एक छोटे से गांव महमूदपुर बलवा से निकलकर अब एक युवा धावक जापान की राजधानी टोक्यो में भारत का परचम लहराने जा रहा है। हरनौत प्रखंड के इस गांव के अनुपम कुमार ने साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों और शारीरिक चुनौतियों के बावजूद दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अखिल भारतीय बधिर खेल परिषद (All India Sports Council of the Deaf) ने अनुपम कुमार का चयन 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स (Deaflympics) 2025 के लिए किया है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 15 से 26 नवंबर 2025 तक टोक्यो में आयोजित होगी, जहां अनुपम 800 मीटर दौड़ स्पर्धा में भारतीय तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुपम जापान के लिए रवाना हो गए हैं। यह यात्रा केवल एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि एक पूरे जिले और राज्य के सपनों की उड़ान है। अनुपम कुमार के संघर्ष की कहानी अनुपम की यात्रा आसान नहीं रही। उनके पिता पप्पू यादव आजीविका के लिए दिल्ली में मजदूरी करते हैं, जबकि दादा सुरेंद्र यादव खेती-किसानी से परिवार का पालन-पोषण करते हैं। माता बबीता देवी एक गृहिणी हैं। आर्थिक तंगी और सुविधाओं की कमी के बीच भी इस परिवार ने अपने बेटे के सपनों को पंख देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वर्तमान में अनुपम निजामापुर, हरनौत में रहकर नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। अनुपम के कोच कुंदन कुमार पांडे (नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी, हरनौत) ने उनके चयन पर गर्व जताते हुए कहा कि अनुपम की कहानी उन सभी युवाओं के लिए एक मिसाल है जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य को पाने का साहस रखते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण अनुकरणीय है। कोच पांडे ने आगे कहा कि अनुपम ने न केवल अपने शारीरिक प्रशिक्षण पर ध्यान दिया, बल्कि मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत बनाया। "800 मीटर की दौड़ केवल शारीरिक शक्ति की नहीं, बल्कि रणनीति और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है। अनुपम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। जानें क्या है डेफलिंपिक्स डेफलिंपिक्स अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की ओर से मान्यता प्राप्त बधिर एथलीटों के लिए आयोजित होने वाली सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित बहु-खेल प्रतियोगिता है। इसकी शुरुआत 1924 में हुई थी, जो इसे ओलंपिक खेलों के बाद दूसरी सबसे पुरानी अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता बनाती है।

इस बार टोक्यो में आयोजित होने वाले 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स में दुनियाभर से हजारों खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारतीय दल में अनुपम जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का शामिल होना देश के लिए गर्व की बात है।

महिला के पति ने ट्रेन में खुद कराई डिलीवरी

जालंधर। अमृतसर से जालंधर आ रही देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन में बिहार के किशनगंज की रहने वाली महिला की डिलीवरी हो गई। महिला के पति ने बताया कि वह अपने माता-पिता और पत्नी को बिहार छोड़ने के लिए हमीरा से अमृतसर गया। अमृतसर से उनकी ट्रेन थी। इस दौरान उसकी पत्नी की तबीयत खराब हो गई जिसके चलते उसने माता-पिता को बिहार वाली ट्रेन में चढ़ा दिया। इसके बाद खुद जालंधर की ट्रेन पकड़कर आ गया कि जालंधर जाकर पत्नी को अस्पताल ले जाऊंगा। मगर करतारपुर के पास तबीयत ज्यादा खराब हो गई जिसके चलते उसे ट्रेन में ही डिलीवरी करवानी पड़ी। ट्रेन के रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर यहां पुलिस के जवान महिला पुलिस के साथ पहुंच गए और एम्बुलेंस बुलाकर हमें सिविल अस्पताल जालंधर पहुंचाया। महिला का दूसरा बच्चा, पहला बेटा, अब बेटी हुई महिला पाटल देवी ने बताया कि उसके यहां बच्ची का जन्म हुआ है। वह बहुत खुश है। इसका नाम राध्या रखा है। मेरी इच्छा है कि दोनों बच्चे फौज में जाएं। बाकी इनकी इच्छा जो होगी, वहां भेज देंगे। महिला के पति ने बताया कि डिलीवरी उसने खुद करवाई। गांव में दादी से सीखा था तो आज काम आ गया। ये नार्मल डिलीवरी हुई है। इससे पहले बेटा ऑपरेशन से हुआ था। पति मुकेश बोले- मैं यहां मंडी में काम करता हूं, बिहार में घर है महिला के पति मुकेश ने बताया कि उसके घर बेटी आई है, जिससे वह बहुत खुश है। डिलीवरी से पहले माता-पिता किशनगंज बिहार चले गए। उन लोगों को फोन पर इसकी जानकारी दी गई है। वहीं अस्पताल के डॉक्टरों से इस मामले को लेकर बात की गई तो उन्होंने बताया कि महिला और बच्ची की हालत स्थिर है। डॉक्टरों ने बताया था डिलीवरी में अभी टाइम है, इसलिए बिहार जा रहे थे मुकेश ने बताया कि डॉक्टरों ने बताया था कि डिलीवरी में अभी टाइम है। इसलिए, मैंने सोचा कि माता-पिता और पत्नी को गांव भेज देते हैं।

वहीं डिलीवरी हो जाएगी। इनको छोड़ने के लिए ऑटो के जरिए वह अमृतसर गए। वहां पर घूमते रहे। इस दौरान पत्नी को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई।

महागठबंधन ने बिहार चुनाव में हार के लिए पांच गलतियां कीं, एनडीए से लड़ाई में उतरा ही नहीं

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जीत के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने क्या-क्या किया, यह दोनों पक्ष बता रहे हैं। एनडीए इस प्रचंड जीत के लिए विकास और सेवा को क्रेडिट दे रहा है। दूसरी तरफ, महागठबंधन के नेता बार-बार कह रहे कि सरकार ने महिलाओं को 10 हजार घूस देकर यह वोट लिया। लेकिन, यह जानना भी रोचक है कि बिहार चुनाव में हारने के लिए महागठबंधन ने क्या-क्या किया? फरवरी से शुरुआत हुई और नवंबर तक अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारते रहे महागठबंधन के दल। सबसे बड़ी बात, एनडीए से तो लड़ाई तो कभी दिखाई ही नहीं। कैसे, यह समझें। बड़े राजनीतिक दल व्यापक पैमाने पर समीक्षा करते हैं। करने को बात आएगी ही रात तक। वैसे, इस हार के लिए तैयारी फरवरी में राहुल गांधी ने शुरू कर दी थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार चुनाव की तैयारी फरवरी में शुरू की थी। बिहार आना शुरू किया। महागठबंधन के अंदर रहेंगे, यह कभी लगने ही नहीं दिया। लगा जैसे कि राष्ट्रीय जनता दल के कोर वोटरों को निशाना बनाने के लिए संगठन में फेरबदल कर रहे हैं। प्रदेश प्रभारी अल्लावरु को लाया गया। प्रदेश अध्यक्ष की कमान राजेश राम को दे दी गई। देश स्तर पर विपक्षी दलों के गठबंधन की शुरुआत 2023 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की थी। यह गठबंधन बन भी गया, लेकिन सीएम नीतीश कुमार ने जनादेश 2020 की वापसी कराते हुए जनवरी 2024 में एनडीए सरकार बनाकर उन बातों को भुला दिया। यह गठबंधन- I.N.D.I.A. दिल्ली तक में फेल हुआ, लेकिन राहुल गांधी यहां राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन की जगह उसे लाने की कोशिश में कूद गए। इसके लिए नए दलों को लाना था, जो कांग्रेस को नेतृत्व के लिए आगे बढ़ाते। लोकसभा चुनाव में राजद और तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की कमान संभाली थी, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राहुल गांधी की तैयारी ही दूसरी थी। जब भी चुनाव होता है, कुछ जीवित मतदाताओं के नाम गायब होने की खबर आती है और कुछ मृत का नाम वोटर लिस्ट में रहता ही है। लेकिन, बिहार में जब इन स्थितियों को सुधारने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण कराना शुरू किया तो महागठबंधन के निशाने पर चुनाव आयोग आ गया। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को बिहार में I.N.D.I.A. की एंट्री का रास्ता बनाने की कोशिश की। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने करीब डेढ़ महीने चुनाव आयोग से इस बात की लड़ाई में गुजार दिए। यह भी नहीं देखा कि आम जनता इसे कैसे देख रही है। प्रियंका गांधी ने जिसे वोटर लिस्ट में 'मृत' बताया, वह जिंदा मिले। जिसे राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट से गायब बताया, वह भी मतदाता सूची में निकल आया। यह कुछ केस ही सामने आए। लेकिन, इसके लिए डेढ़ महीने का समय चुनाव आयोग को निशाना बनाने में लगाना महागठबंधन के नेताओं को भी नहीं पच रहा था। बस, आवाज नहीं उठ रही थी क्योंकि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने कमान संभाल रखी थी। लोकसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव अपनी पार्टी- राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं को बगैर कांग्रेस से सीट बंटवारा हुए ही सिम्बल बांटा था। राहुल गांधी ने फरवरी में सक्रियता दिखाते हुए बताया कि इस बार ऐसा नहीं होगा कांग्रेस 243 में 75 से ज्यादा सीटें लेने की जिद पर अड़ी रही।

पाइन लैब्स का शेयर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी पाइन लैब्स का शेयर शुक्रवार को बीएसई और एनएसई दोनों पर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध हुआ, जो कि निर्गम मूल्य 221 रुपए के मुकाबले 9.5 फीसदी अधिक है। सूचीबद्ध होने के तुरंत बाद शेयर ने तेजी जारी रखी और एनएसई पर 275 रुपए तथा बीएसई पर 274.85 रुपए तक पहुंच गया, जो क्रमशः 24.43 फीसदी और 24.36 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। पाइन लैब्स का आईपीओ 2,080 करोड़ रुपए का था, जिसमें नए शेयरों के साथ 8.23 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री शामिल थी। कंपनी के शेयरों के निर्गम मूल्य का दायरा 210-221 रुपए तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ को 2.46 गुना अभिदान मिला। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 31,118.29 करोड़ और बीएसई पर 31,095.32 करोड़ रुपए रहा।

मुथूट फाइनेंस का मुनाफा 87 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली गोल्ड लोन कंपनी मुथूट फाइनेंस का मुनाफा सितंबर 2025 तिमाही में 2,345 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 1,251.1 करोड़ रुपये से 87 फीसदी अधिक है। कुल आय बढ़कर 6,461 करोड़ रुपये और ब्याज आय 6,304 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का कुल खर्च 3,309 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 37 फीसदी अधिक है।

पिंपरी चिंचवड़ में सरकारी जमीन की अवैध बिक्री, अधिकारी निलंबित

15 एकड़ पशुपालन विभाग की भूमि 33 करोड़ में बेची गई

पुणे पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ में पशुपालन विभाग की 15 एकड़ सरकारी जमीन कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन कर बेची गई। तथावडे क्षेत्र में यह भूखंड गैर-हस्तांतरणीय श्रेणी में होने के बावजूद 33 करोड़ रुपये में बिक्री के लिए पंजीकृत किया गया। राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना सरकारी संपत्ति की बिक्री अवैध है। इस मामले में महानिरीक्षक पंजीकरण (आईजीआर) ने हवेली नंबर 17 के वरिष्ठ लिपिक एवं प्रभारी उप-रजिस्ट्रार विद्या शंकर बाडे (सांगले) को निलंबित कर दिया। पंजीकरण और स्टांप के उप महानिरीक्षक तथा जिला रजिस्ट्रार द्वारा की गई संयुक्त जांच में पाया गया कि बाडे ने स्पष्ट प्रतिबंधों के बावजूद बिक्री विलेख पंजीकृत किया। आईजीआर ने उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह लापरवाही व्यक्तिगत थी या प्रणालीगत दोष भी शामिल था।

एलिटकॉन के शेयर ने निवेशकों की बदली किस्मत

मुंबई एफएमसीजी कंपनी एलिटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने निवेशकों की किस्मत बदल दी है। कंपनी के शेयर की कीमत 1 रुपए से बढ़कर 145.70 रुपए तक पहुंच गई। पिछले एक साल में यह स्टॉक लगभग 11,000 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। अगर किसी निवेशक ने 1 साल पहले 1 लाख रुपए लगाए होते, तो वर्तमान में उनकी राशि 1.1 करोड़ रुपए से अधिक हो चुकी होती। फर्म ने 1 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है।

इंफोसिस का 18,000 करोड़ का सबसे बड़ा बायबैक शुरू

बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित

मुंबई आईटी दिग्गज इंफोसिस का 18,000 करोड़ रुपए का बायबैक शुक्रवार से शुरू हो गया है। रिकॉर्ड डेट के अनुसार जिन निवेशकों के पास आज के अंत तक इंफोसिस के शेयर होंगे, वही इस बायबैक में हिस्सा ले पाएंगे। टी-प्लस1 सेटलमेंट नियम के कारण, शेयर खरीदने का अंतिम दिन 13 नवंबर था। कंपनी इस बायबैक को टेंडर ऑफर रूट के तहत कर रही है। बायबैक प्राइस 1,800 रुपए प्रति शेयर तय की गई है, जो हालिया बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी प्रीमियम पर है। बायबैक के तहत कंपनी 10 करोड़ शेयर वापस खरीदेगी, जो कुल इक्विटी का 2.41 फीसदी है। इस बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित है।

भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर कर रहा बातचीत: गोयल

समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई अन्य देश भी भारत के साथ व्यापार समझौते की इच्छुक है। गोयल ने कहा कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू कर चुका है।

उनका कहना है कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने बताया कि आईटीपीओ के माध्यम से 'आंध्र मंडपम' को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' जैसी वैश्विक पहचान वाला कन्वेंशन सेंटर बनाने की योजना है। इसके लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग को भी प्राथमिकता दी जाएगी। गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार ने 42,000 अनुपालनों और 1,500 पुराने कानूनों को समाप्त कर व्यापार को आसान बनाया है। उनका मानना है कि इससे निवेश और व्यापार दोनों में सुगमता आएगी और वैश्विक व्यापार बाधाओं में कमी आएगी।

अदाणी समूह आंध्र प्रदेश में 1 लाख करोड़ निवेश करेगा: करण अदाणी

निवेश मुख्यत: बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा

विशाखापत्तनम आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में अदाणी समूह के करण अदाणी ने घोषणा की कि अगले दस वर्षों में समूह राज्य में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश पहले से किए गए 40,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगा। निवेश मुख्यत: बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा। समूह ने 15 अरब डॉलर की 'विजाग टेक पार्क' योजना का भी खुलासा किया। इसमें गूगल के साथ साझेदारी में दुनिया के सबसे बड़े हरित-संचालित हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम का निर्माण शामिल है। करण अदाणी ने बताया कि वर्तमान परियोजनाओं से 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई हैं और आगामी परियोजनाओं से और रोजगार सृजन की योजना है।

भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर क्षमता में कर रही हैं निवेश

मुंबई भारत में 50 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियों का मानना है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) वर्कलोड आने वाले तीन से पांच वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है। इसके लिए अगले 12 महीनों में नई डेटा सेंटर क्षमता में निवेश कर रही हैं। नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी सिस्को की ओर से बताया गया कि 91 प्रतिशत भारतीय कंपनियां अपने सिस्टम में ऑटोनॉमस एआई एजेंट्स की तैनाती कर रही हैं और केवल 37 प्रतिशत ही उसे पूरी तरह से सुरक्षित रख पाने में सक्षम हैं। सिस्को ने रिपोर्ट में कहा कि 97 प्रतिशत ग्लोबल पेससेटर्स ने यूज केस को अनलॉक करने और अधिक रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) प्राप्त करने के लिए एआई का उपयोग किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, वे नेटवर्क-फर्स्ट नींव का निर्माण करते हैं, पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देते हैं, निरंतर अनुकूलन करते हैं और पहले दिन से ही सुरक्षा का ध्यान रखते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कर्मचारियों के लिए भी वर्कप्लेस में उनके काम करने के तरीकों को बदलने को लेकर एक अहम फैक्टर बना है। एक ताजा स्टडी बताती है कि 71 प्रतिशत कर्मचारी एआई का इस्तेमाल करियर को प्लान करने और प्रॉब्लम को सॉल्व करने के लिए करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत कर्मचारियों ने माइक्रो-रिटायरमेंट, मूनलाइटिंग, फ्लेक्सिबल शेड्यूल और बेयर-मिनिमम मंडे जैसे कम से कम एक नए वर्कप्लेयर बिहेवियर को अपनाना शुरू कर दिया है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 84 अंक, निफ्टी 30 अंक ऊपर आये

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों में व्यापक कमजोरी और वैश्विक संकेतों की गिरावट से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 84 अंक की बढ़त के साथ आज 84,478.67 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 25,910.05 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।वहीं मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव आता रहा। निफ्टी मिडकैप 50 मार्केट बंद होने तक 18 अंक की बढ़त के साथ 17,299.70 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में मुथूट फाइनेंस, जुबिलेंट फूड और भारत डायनमिक्स , के अलावा वोडाफोन-आइडिया के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं सुप्रीम इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एस्ट्रल लिमिटेड और आयशर मोटर्स गिरावट के साथ नीचे आये।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 400 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,060 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद ही यह 84,316 तक लुढ़क कर 253.68 अंक की कमजोरी के साथ 84,224.99 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 25,767.90 पर खुला।

शुरुआती गिरावट के बाद इंडेक्स में हल्की रिकवरी दिखने के बाद 20.90 अंक गिरकर 25,858.25 पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक स्तर पर, वॉल स्ट्रीट गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ाया, जबकि फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर कटौती को लेकर बनी अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई।

एशियाई बाजारों पर भी इसका गहरा असर दिखा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.5 फीसदी टूट गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.03 फीसदी गिरा और हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 फीसदी कमजोर हुआ।

भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों से पिछड़ा, रुपए में स्थिरता की उम्मीद: रिपोर्ट

अगले साल चालू खाता घाटा 20 साल के निचले स्तर पर आने का अनुमान

नई दिल्ली

जेफरीज के एक प्रसिद्ध बाजार विशेषज्ञ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2024 में भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों की तुलना में काफी कमजोर प्रदर्शन करता दिखा है। उन्होंने बताया कि भारत का बाजार इस साल एमएससीआई उभरते बाजार इंडेक्स से 27 फीसदी पीछे रहा। इसके बावजूद, घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाए रखा है। रिपोर्ट के अनुसार रुपये ने इस साल अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं के मुकाबले सबसे ज्यादा कमजोरी दिखाई, लेकिन आगे चलकर इसमें स्थिरता आने की संभावना है। उनका अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी के मात्र 0.5 फीसदी तक सिमट सकता है, जो पिछले दो दशकों में सबसे कम होगा। साथ ही, देश का 690 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 11 महीनों के आयात को कवर करने में सक्षम है, जिससे रुपये को सपोर्ट मिलता है। हालांकि, रिपोर्ट में एक बड़े जोखिम की चेतावनी भी दी गई है। उनके अनुसार कई राज्य सरकारें हाल के वर्षों में चुनावी लाभ के लिए मुफ्त योजनाएं और रियायतें बढ़ाती

जा रही हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति कमजोर होती दिख रही है। जबकि केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, राज्यों की बढ़ती पॉपुलिस्ट नीतियां दीर्घकालिक आर्थिक संतुलन पर दबाव डाल सकती हैं। रिपोर्ट में सरकार द्वारा ब्याज दरों में कमी, क्रेडिट में वृद्धि और 22 सितंबर से जीएसटी में कटौती जैसे कदमों का भी जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उपायों का वास्तविक असर आने वाले महीनों में दिखेगा।

अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट और रिटेल क्षेत्र में किया विस्तार

दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी

दुबई परिधान खुदरा और एफएंडबी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट क्षेत्र में कदम रखा है। इसके तहत कंपनी की सहायक कोरा प्रॉपर्टीज ने दुबई मैरीटाइम सिटी में 40 मंजिला वाटरफ्रंट आवासीय परियोजना आईएल वेंटो पेश की है। इस परियोजना के 2029 तक पूरा होने की संभावना है। अपैरल ग्रुप ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे आवासीय स्थल तैयार करना है जो जीवन जीने की उमंग उत्पन्न करें। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के बाद दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी, जिसमें वाणिज्यिक और अर्ध-वाणिज्यिक टावर शामिल होंगे। इसके अलावा, समूह भारत और अन्य उभरते बाजारों में शॉपिंग मॉल में निवेश करने की योजना बना रहा है। वेद का मानना है कि इन बाजारों में अब भी काफी संभावनाएं हैं और साझेदारी के माध्यम से स्थानीय विशेषज्ञता का लाभ उठाना प्राथमिकता होगी। अपैरल ग्रुप ने फ्रांस की खुदरा कंपनी कैरेफोर के साथ साझेदारी की है। शुरुआत में उत्तर भारत में कैरेफोर का विशेष ब्रांड पेश किया जाएगा, जिसके बाद पूरे देश में विस्तार होगा। पहला स्टोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में खुलने की उम्मीद है।

सरकार ने 14 वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए

उद्योग को मिलेगा सस्ता कच्चा माल!

नई दिल्ली

नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने प्लास्टिक, पॉलिमर, सिंथेटिक फाइबर और धागों सहित 14 वस्तुओं पर लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) वापस ले लिए हैं। सरकार का कहना है कि यह फैसला उद्योगों पर बढ़ते अनुपालन बोझ को कम करेगा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की उपलब्धता आसान बनाएगा। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से परामर्श के बाद इन आदेशों को जनहित में रद्द किया गया है। यह आदेश 12 नवंबर से प्रभावी हो गया है। अब 100 फीसद पॉलिएस्टर स्पन यार्न, पॉलिएस्टर इंडस्ट्रियल यार्न, **विस्कॉस स्टेपल फाइबर, पॉलीकार्बोनेट, पॉलीयूरीथेन समेत कई इनपुट सामग्री के आयात और घरेलू बिक्री के लिए बीआईएस प्रमाणन की जरूरत नहीं होगी। समिति की पिछले महीने प्रस्तुत आंतरिक रिपोर्ट में उद्योगों द्वारा उठाई गई चिंताओं को रेखांकित करते हुए 200 से अधिक उत्पादों पर क्यूसीओ को रद्द या स्थगित करने की अनुशंसा की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूसीओ के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही थी और घरेलू कताई, बुनाई एवं परिधान उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल हासिल नहीं कर पा रहे थे।

लोटस बेकरीज ने भारत में लॉन्च की 'बिस्कॉफ कुकी'

कंपनी मॉंडेलेज के साथ साझेदारी में बढ़ाएगी बाजार विस्तार

नई दिल्ली

बेल्जियम की बहुराष्ट्रीय स्नैक फूड कंपनी लोटस बेकरीज ने भारत में अपनी प्रसिद्ध 'बिस्कॉफ कुकी' पेश किया है। इस लॉन्च के लिए कंपनी ने मॉंडेलेज के साथ साझेदारी की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत आने वाले वर्षों में बिस्कॉफ के लिए शीर्ष तीन-चार बाजारों में शामिल हो सकता है। उन्होंने बताया कि बिस्कॉफ वर्तमान में दुनिया के 80 से अधिक देशों में बेची जाती है। बिस्कॉफ का सबसे बड़ा बाजार अमेरिका है, उसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस का स्थान आता है। अधिकारी ने कहा कि कंपनी की महत्वाकांक्षा है कि बिस्कॉफ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कुकी ब्रांड बने, मोंडेलेज के ओरियो और चिप्स अहोय! के बाद। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भागीदारी वैश्विक ब्रांड बनने के लिए अनिवार्य है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि भारत में खुदरा और वितरण प्रणाली जटिल है, इसलिए कंपनी अकेले बाजार पर विजय प्राप्त नहीं कर सकती। इसीलिए एक मजबूत स्थानीय साझेदार मोंडेलेज का समर्थन जरूरी था। मोंडेलेज भारत में बिस्कॉफ के लिए ओरियो जैसी रणनीति अपनाएगी। इसका मतलब है कि उत्पाद पारंपरिक और आधुनिक व्यापार दोनों में उपलब्ध होंगे, साथ ही ई-कॉमर्स चैनलों पर भी बिक्री की जाएगी। पैकिंग में बड़े पैक के साथ-साथ छोटे और किफायती पैक (10 रुपए से शुरू) भी शामिल होंगे।

अक्टूबर में महंगाई दर में कमी, आरबीआई कर सकता हैं ब्याजदरों में कटौती

नई दिल्ली

देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने कहा कि अक्टूबर में महंगाई दर में कमी के चलते केंद्रीय बैंक फिर से दिसंबर की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में रिकॉर्ड 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो कि सितंबर में 1.44 प्रतिशत थी।

यह मौजूदा सीपीआई सीरीज में दर्ज की गई अब की सबसे कम महंगाई दर है।

एक रिपोर्ट में बताया गया कि उम्मीद से अधिक खाद्य महंगाई दर में कमी आने, बाकी बचे वर्ष में खाद्य उत्पादों की आपूर्ति मजबूत रहने, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने और जीएसटी का फायदा लोगों तक पहुंचने के कारण हमारा अनुमान है कि खुदरा महंगाई दर इस वित्त वर्ष में औसत 2.5 प्रतिशत पर रहेगी है, जो कि पिछले वर्ष के आंकड़े 4.6 प्रतिशत से कम है।

बताया गया है कि कई बड़ी कैटेगरी में जीएसटी का प्रभाव अक्टूबर में पूरी तरह से ट्रांसफर नहीं हुआ है, जिसका प्रभाव आने वाले समय में हमें नवंबर में देखने को मिलेगा।

खुदरा महंगाई दर नवंबर में वर्तमान में 0.9 प्रतिशत पर है, इसमें जीएसटी के प्रभाव के कारण और गिरावट आ सकती है। वित्त वर्ष 26 में मुख्य महंगाई दर अब 2 प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है, जिसका सीधा अर्थ है कि आरबीआई के 2.6 प्रतिशत के अनुमान में 50 आधार अंकों की और गिरावट आएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 2.6 प्रतिशत से और कम कर सकती है, जो खाद्य कीमतों में नरम क्रमिक गति के साथ-साथ सीपीआई बास्केट में कई वस्तुओं पर जीएसटी दर युक्तिकरण के प्रभाव को देखते हुए संभव है। उन्होंने आगे कहा कि इससे दिसंबर की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों के और कम होने का रास्ता साफ हो गया है।

सोने के भाव में 194 रुपए और चांदी में 555 रुपए की तेजी

सोना 1.27 लाख के करीब, चांदी 1,62,851 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली

घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। शुरुआती हल्की सुस्ती के बाद दोनों बहुमूल्य धातुओं में खरीदारी बढ़ी है, जिससे भावों में मजबूती देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 3 रुपये की गिरावट के साथ 1,26,748 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 1,26,751 रुपये था। हालांकि बाद में तेजी लौटते हुए सोने का वायदा भाव 194 रुपये बढ़कर 1,26,945 रुपये पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसने 1,27,048 रुपये का दिन का उच्च और 1,26,748 रुपये का दिन का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोना 1,31,699 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 381 रुपये की तेजी के साथ 1,62,851 रुपये प्रति किलो पर खुला, जो पिछले बंद 1,62,470 रुपये की तुलना में मजबूत शुरुआत रही। इसमें तेजी बढ़कर 555 रुपये तक पहुंच गई और यह 1,63,025 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 1,63,333 रुपये का दिन का उच्च और 1,62,714 रुपये का दिन का निम्न स्तर बनाया। वर्ष 2024 में चांदी का उच्चतम स्तर 1,69,200 रुपये प्रति किलो दर्ज हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी के वायदा भाव में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,174.90 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 4,205.60 डॉलर पर पहुंच गया। चांदी के भाव भी 52.20 डॉलर से बढ़कर 53.35 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गए। दोनों धातुओं में वैश्विक स्तर पर बने सकारात्मक माहौल का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है।

बिरसा मुंडा पूरे देश के आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत

कांतिलाल मांडोत

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी-उलीहातू क्षेत्र में हुआ था। उनकी जात-पसंद मुंडा जनजाति थी, और उन्होंने बहुत ही कम आयु में यह अनुभव किया कि उनके साथी जनजातियों की जमीन-वन-जल से जुड़ी आजादी सिमटती जा रही है। उनका आंदोलन मुख्यतः इस ओर था कि आदिवासी अपनी जमीन, जंगल और पानी के अधिकार खोते जा रहे थे ।अंग्रेज सरकार की नीतियों, जमिनदारों (जमींदारों) और मिशनरियों की गतिविधियों के चलते। उन्होंने 1894 में उलगुलान के नाम से उस विद्रोह की शुरूआत की, जो आदिवासी समाज का अपना-राज, अपनी-भूमि का नारा लेकर चला।

नवंबर 15 को हम हर वर्ष उसी वीर आदिवासी नेता को याद करते हैं जिसने न सिर्फ अपने जनजातीय समाज के लिए बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक अनूठी छाप छोड़ी । बिरसा मुंडा वर्तमान में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने वाले इस दिन पर, भारत के आदिवासी समाज की महत्ता, उनके संघर्ष और उनके आने वाले कल की दिशा पर हमें सोचने-विचारने का अवसर मिलता है।आज, गुजरात में आयोजित धार्मिक-सांस्कृतिक समागम और आदिवासी कार्यक्रमों के बीच, वह इतिहास, उस विरासत और उस भविष्य के बारे में है जिसे हमें संजोना है । विशेष रूप से जनजाति समाज के संदर्भ में। यह आयोजन यू तो पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम के तहत मनाया जाएगा लेकिन गुजरात मे यह आयोजन मोदी की उपस्थिति के कारण महत्वपूर्ण हो जाता है।

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी-उलीहातू क्षेत्र में हुआ था। उनकी जात-पसंद मुंडा जनजाति थी, और उन्होंने बहुत ही कम आयु में यह अनुभव किया कि उनके साथी जनजातियों की जमीन-वन-जल से जुड़ी आजादी सिमटती जा रही है। उनका आंदोलन मुख्यतः इस ओर था कि आदिवासी अपनी जमीन, जंगल और पानी के अधिकार खोते जा रहे थे ।अंग्रेज सरकार की नीतियों, जमिनदारों (जमींदारों) और मिशनरियों की गतिविधियों के चलते। उन्होंने 1894 में उलगुलान के नाम से उस विद्रोह की शुरूआत की, जो आदिवासी समाज का अपना-राज, अपनी-भूमि का नारा लेकर चला।

उनकी मृत्यु बहुत ही कम उम्र में, 1900 में हुई। लेकिन उनकी विरासत आज भी हमारे बीच जीवंत है। 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के नाम से आदिवासी समाज उन्हें याद करता है।सांस्कृतिक समागम एवं गुजरात में आदिवासी कार्यक्रमों का महत्त्वपूर्ण स्थान है।गुजरात में, आदिवासी समाज के लिए आज के दिन के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, जन-सामाजिक संवाद, कार्यशालाएँ, लोक कलाएँ, हाथ के कारीगरों का मंच, आदिवासी युवाओं का मंच सहभागी होना शामिल है। यह सिर्फ एक यादगार कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सम्मान-उत्सव है, जिसमें आदिवासी समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति, भविष्य-दृष्टि और समान अवसरों पर प्रकाश डाला जाएगा।

ये कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये आदिवासी समुदाय को केंद्र में लाते हैं । उनके द्वारा, उनके लिए युवाओं को प्रेरणा देते हैं कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें और आधुनिकता के साथ भी उन्हें अपनाएं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से सामाजिक समावेशिता बढ़ती है । आदिवासी समाज के कल-कार और जीवन-शैली को पूरे समाज के सामने रखा जाता है।

जब एक कार्यक्रम के केंद्र में आदिवासी भाषा, लोकगीत-नृत्य, हस्त-शिल्प, खान-पान होता है, तो यह संकेत है कि उनकी संस्कृति अब अलग नहीं बल्कि भारत की विविधता का अभिन्न हिस्सा है।

विशेष रूप से आज के समय में, जब भारत ने जं जातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय रूप से माना है। हर वर्ष 15 नवंबर को यह एक अवसर है कि हम आदिवासी समाज के योगदान को सिर्फ स्मरण न करें बल्कि उसे उत्सव के रूप में मनाएं।

***प्रधानमंत्री की उपस्थिति एवं कार्यक्रमों की विशेषता**

आज के कार्यक्रमों में नरेंद्र मोदी की उपस्थिति से यह संदेश जाता है कि केंद्र सरकार इस दिवस और आदिवासी समाज के कार्यक्रमों को कितनी गंभीरता से ले रही है। यह उपस्थिति आदिवासी समाज के लिए आत्म-सम्मान और उनकी आवाज को मान्यता देने का प्रतीक है।आदिवासी लोक-नृत्य एवं गीत संस्कृति का जश्नहोगा।

हस्त-शिल्प व कला-प्रदर्शनी और आदिवासी जीवन-शैली एवं कला-प्रवृत्तियों का प्रदर्शनकिया जायेगें। संवाद सत्रः आज की चुनौतियाँ, कल के अवसर,

योजनाओं की जानकारी और आदिवासी समाज को विकास-योजनाओं से जोड़ने का मुख्य लक्ष्य रहेगा। खेल, प्रतियोगिताएँ, प्रेरणा-वक्तव्यआदि मुख्य है।इस तरह के समागम न केवल यादगार होंगे, बल्कि प्रेरणादायक भी होंगे।एक ऐसा पल जब जनजातीय समाज और अन्य समाज एक साथ खड़े होंगे, एक-दूसरे को समझेंगे, सम्मान देंगे और साझा भविष्य का निर्माण करेंगे।

***जनजाति समाज के लिए 'यादगार पल' क्यों?**

'यादगार पल' इसलिए क्योंकि आज के इस दिन आदिवासी समाज को जातिगत अलगाव-तल से निकलने की यात्रा को दस्तावेजित करता है। उनके हीरो को राष्ट्रीय मंच पर मान्यता मिल रही है । बिरसा मुंडा जैसे नायकों को आदिवासी समाज का प्रतीक और पूरे देश की प्रेरणा माना जा रहा है।गुजरात जैसे विविध राज्य में आदिवासी कार्यक्रम होने से यह संकेत मिलता है कि जनजाति-विषय सिर्फ खास-क्षेत्रीय नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत का विषय बन रहा है।

कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक समावेशिता, संस्कृति-पुनरुद्धार, युवाओं को सशक्त बनाने का अवसर मिल रहा है।और सबसे बड़ी बात है कि यह संस्कृति-उत्सव है। हम सिर्फ इतिहास याद नहीं कर रहे, बल्कि एक उत्सव-भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा ले रहे हैं।भविष्य की दिशा तय होगी। आदिवासी समाज का सशक्तिकरण बिरसा मुंडा ने जिस स्वराज-सपने को देखा था अबुआ राज, अबुआ दिशुमइ हमारा राज्य, हमारी दिशा आज उसका स्वरूप कुछ अलग है पर संकल्प वही है।आदिवासी समाज को सम्मान, अधिकार, अवसर मिलें। वक्त की मांग है कि कार्यक्रमों से निकलकर वास्तविक क्रियान्वयन हो।आदिवासी युवाओं को शिक्षा-स्वास्थ्य-रोजगार के अवसर मिले। उनकी कलाएँ-हस्त-शिल्प सुरक्षित, समृद्ध हों।जमीन-वन-जल के अधिकार सुनिश्चित हों।

उनके अनुभव, ज्ञान-परंपरा को आधुनिक विकास के साथ जोड़ने की पहल हो।

समाज में आदिवासी-विभाग के प्रति पूर्वाग्रह कम हो, समावेश बढ़े।यदि आज का कार्यक्रम 'यादगार पल' बनाना है, तो उसके बाद कल का परिवर्तन भी जरूरी है। आदिवासी समाज के लिए यह सिर्फ एक दिन नहीं, यह एक संकल्प-प्रारंभ होना चाहिए।

आज, जब हम बिरसा मुंडा की जयंती पर एक बड़े सांस्कृतिक समागम में जुट रहे हैं।जहाँ मोदी-सराहना होगी, आदिवासी-कलाएँ होंगी, युवाओं का उत्साह दिखेगा, तो हमें यह याद रखना है कि यह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि उत्तरदायित्व है।हमारा उत्तरदायित्व है कि इस यादगार पल को हम यादगार असर में बदलें।आदिवासी समाज की गरिमा, उनके योगदान, उनकी आकांक्षाओं को समस्त भारत के विकास-सफर में सुदृढ़ करें।

इसलिए इस 15 नवंबर को आइए हम न सिर्फ बिरसा मुंडा को याद करें, बल्कि उनके उस सपने को पुनः संकल्प करें। जहाँ आदिवासी समाज अपने अधिकारों, अपनी संस्कृति, अपनी पहचान के साथ आगे बढ़े। जहाँ गुजरात में आयोजित ये कार्यक्रम सिर्फ एक आयोजन नहीं रहे, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए राह-निर्देशक बने।

शत्-शत् प्रणाम 'धरती आबा' को और आदिवासी समाज को सलाम, जिन्होंने हमें सिखाया कि स्वाभिमान के साथ इतिहास बनता है।

संपादकीय

दो सौ आतंकी हमलों की साजिश

कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद केंद्र ने दिल्ली विस्फोट को 'जघन्य आतंकी घटना' करार दिया है। इसे देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा। आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है। आतंकी 25 नवंबर के बजाय 6 दिसंबर को 'राम मंदिर परिसर' में ही आतंकी विस्फोट कर सकते हैं। 1992 में इसी तारीख पर कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। बहरहाल सिर्फ लालकिला ही नहीं, राजधानी दिल्ली का 'इंडिया गेट', गौरीशंकर मंदिर, कांस्टीट्यूशन क्लब (सांसदों की आवाजाही का स्थान), बड़े शॉपिंग मॉल्स, प्रमुख रेलवे स्टेशन आदि भी 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' के निशाने पर हैं। उनकी साजिश है कि 200 से अधिक विस्फोटक आईईडी बनाए जाएं और दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में 26/11 आतंकी हमले की तर्ज पर नरसंहार किया जाए। आतंकी एक साथ करीब 200 आईईडी विस्फोट करने की साजिश पर काम कर रहे थे। फरीदाबाद में जो 2900 किग्रा. अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स बरामद किया गया था, वह इसी साजिश के मद्देनजर जमा किया जा रहा था। जनवरी, 2025 से 'आतंकी डॉक्टर' और जैश-ए-मुहम्मद के गुर्गे फरीदाबाद के 3-4 कमरों में विस्फोटक जमा कर रहे थे, लेकिन उन बोरों में खाद बताई जाती थी। विस्फोटक सामग्री और रसायन बांग्लादेश के रास्ते, नेपाल रूट से, फरीदाबाद तक लाए गए। अब भी करीब 300 किग्रा. विस्फोटक की तलाश की जा रही है, क्योंकि जांच एजेंसियों को कुल 3200 किग्रा. विस्फोटक होने का खुलासा किया गया है। यह खुफिया-तंत्र की भी बहुत बड़ी नाकामी है, जो इतना विस्फोटक फरीदाबाद के दो गांवों तक पहुंच गया और उसकी भनक तक नहीं लग पाई। यह भी खुलासा अब सामने आया है कि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर 2021 से तुर्किए जा रहे थे। दोनों के पासपोर्ट में तुर्किए के स्टाम्प मिले हैं। जनवरी, 2025 में दोनों ने शैक्षणिक एवं पेलेजर यात्राएं कीं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के जरिए यह खुलासा हुआ है कि तुर्किए में दोनों की मुलाकात जैश के हैंडलर से हुई। हैंडलर का कूटनाम 'उकासा' बताया गया है। उमर हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहा था और 2021 की यात्रा के बाद ही 'जेहादी कट्टरवाद' की ओर गया।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहुरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाईं। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहुरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

बिहार में बहार है, फिर नीतीशेकुमार है

ओम वर्मा

बिहार चुनाव परिणाम के नतीजों से फिर स्पष्ट हो गया है कि बिहार में नीतीश कुमार (बिहारी डायलेक्ट में नीतीशेकुमार) की बहार अभी भी पूरे शबाब पर है। लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए को जो सीटें दी गई थीं, वास्तविक परिणामों में वे उससे भी कहीं आगे हैं।

चुनाव में मुख्य टक्कर एनडीए और महागठबंधन के बीच में थी। प्रशांत किशोर बहती गंगा में हाथ धोने की नीति के तहत पहले दौर के अरविंद केजरीवाल बनने की फिराक में थे। लेकिन वे अंतिम दौर के केजरीवाल बनकर रह गए। चुनावी रणनीतिकार होना अलग बात है और चुनाव स्वयं लड़ना अलग। खुद न खड़े होकर शायद उन्होंने अपनी थोड़ी बहुत इज्जत भले ही बचा ली हो, मगर मेरे विचार से अब रणनीतिकार के रूप में भी उनका भविष्य कुछ खास नहीं दिखाई देता है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वे न तीन में नजर आ रहे हैं न ही तेरह में। जाहिर है कि पीके बिहार के मतदाताओं की नब्ज नहीं पहचान सके। बहरहाल हम प्रमुख प्रतिद्वन्द्वियों की बात करें तो यह एनडीए की स्पष्ट ही एक लैंडस्लाइड विक्ट्री है। एनडीए की पहली तुरुप चाल यह थी कि उन्होंने नीतीशकुमार को सीएम के चेहरे के रूप में पेश किया, और दूसरी यह कि नीतीश सरकार ने महिलाओं के खाते में ठीक चुनाव से पहले जीविका दीदी व लखपति दीदी योजना के तहत दस हजार रु. की राशि पहुँचाई। (इस कदम पर प्रश्न उठाए जा सकते हैं!) वहीं महागठबंधन ने तेजस्वी को अपना सीएम फेस घोषित तो किया मगर पिता का चारा घोटाले में सजायाफ्ता होना, नौकरी के बदले भूमि में परिवार पर आरोप लगना और उनकी हर परिवार को सरकारी नौकरी देने का शेखचिल्ली वादा उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा साबित हुआ। नीतीश कुमार का 'पलटूराम' का टैग, विधानसभा में कामकला पर व्याख्यान देना, भरी सभा में किसी के सिर पर गमला रख देना व कुछ और अवसरों पर जुबान फिसलना उन पर उम्र का प्रभाव जरूर दिखाता है मगर पूरे कार्यकाल में उन पर कभी किसी तरह का भ्रष्टाचार या परिवारवाद का कोई आरोप नहीं लगा। शायद यही कारण है कि इतने लंबे कार्यकाल के बाद भी इनएंटीइनकम्बैंसीइ जैसी कोई चीज नहीं दिखाई दी। और तो और एनडीए पिछली विधानसभा से इस बार लगभग 79 सीट अधिक व गठबंधन को 77 सीटें कम मिलती दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस ने इस बार बची खुची प्रतिष्ठा को भी खोया ही है। पंक्तियों के लिखे जाने तक तो वे लेफ्ट से भी एक सीट पीछे चल रहे हैं। कांग्रेस आरजेडी से हाथ मिलाने के बजाय अगर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ती तो स्थिति शायद कुछ बेहतर हो सकती थी। कांग्रेस को इस पर भी विचार करना चाहिए कि एक ही परिवार के भरोसे कब तक बने रहेंगे? गुलामनबी आजाद जैसे सर्वमान्य नेता आज दल से क्यों दूर बैठे हैं, इस पर भी विचार करना चाहिए। चुनाव बिहार में है और नेता कभी विदेश तो कभी मप्र में दौरे कर रहे हैं। एनडीए इसे एक तरह का इाफ्लानगइ प्रचारित करने में सफल रही।

कांग्रेस को बहुत गंभीरता से आत्मचिंतन करने की जरूरत है। राहुल गांधी के कई बार कुछ ऐसे बयान आ जाते हैं जिन्हें बीजेपी की आईटी सेल तुरंत लपककर ऐसे भुनाती है कि एनडीए को बैठे-बिठाए लाभ पहुँच जाता है। इस इराजनीतिक चतुरंगइ में कांग्रेस बीजेपी से बहुत पीछे रह गई है। बिहार में उनके सभामंच से पीएम को माँ की गाली दी जाए तो बात तो दूर तलक जाना ही थी। एटम बम या हाइड्रोजन बम और वोट चोरी के आरोप पूरी तरह निष्प्रभावी साबित हुए। जातिवाद का भूत भी अब बिहार से उतरता दिखाई दे रहा है। यादव बहुल क्षेत्रों में भी आरजेडी अपेक्षित परिणाम नहीं प्राप्त कर सकी है। महागठबंधन की निराशा तभी जाहिर हो गई थी जब उनके नेता यह कह बैठे कि तेजस्वी के हारने पर बिहार में नेपाल जैसी स्थिति हो जाएगी। आरजेडी में भाई भाई में पड़ी फूट का भी इस सफाए में कुछ योगदान माना जा सकता है। पंक्तियों के लिखे जाने तक यादव बंधु पीछे चल रहे हैं। दूसरी ओर सबको पता है कि चिराग पासवान नीतीश के विरोधी हैं, मगर एनडीए नेतृत्व ने चिराग को इस तरह से नियंत्रित किया कि उनके किसी बयान से चुनाव अभियान में कोई इाविरोधी स्वरइ नहीं सुनाई दिया।

इस परिणाम से एक बात स्पष्ट है कि अगले वर्ष बंगाल के, व दो वर्ष बाद अन्य कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। अन्य दल अब कांग्रेस के साथ युति बनाना शायद पसंद न करें। इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस में एक नया व सशक्त नेतृत्व सामने आना जरूरी है। लोकतंत्र के हित में किसी एक दल का सर्वशक्तिमान बनना अराजकता को जन्म दे सकता है। इसके लिए एक सशक्त प्रतिपक्ष का होना बहुत जरूरी है, जिसके आसार फिलहाल तो कम ही दिखाई देते हैं।

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

अशोक मधुप

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं है, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती।

इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फांसी की सजा पाए कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है।

न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फांसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला?

29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई।

पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था। पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे।

न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नहीं हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही। उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस-5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीड़ित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा। इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 19 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरेंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है?

एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नहीं हुई। ये रिपोर्ट मानव तस्करी की ओर इशारा कर रही थीं। दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है। सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एजेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया। हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नहीं है। सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 19 साल जेल में रहना पड़ा। अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है?

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

पहली बार रियल लाइफ बेस्ड किरदार प्ले करेंगी एक्ट्रेस कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी अपने करियर के सबसे रोमांचक मोड़ पर हैं। एक ओर वह हाल ही में मातृत्व सुख का अनुभव कर चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर उनके पास कई बड़े और महत्वाकांक्षी फिल्म प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। इनमें सबसे बड़ी और चर्चित घोषणा है उनकी मीना कुमारी की बायोपिक कमाल और मीना में मुख्य भूमिका। यह फिल्म न सिर्फ कियारा के अभिनय करियर का नया अध्याय खोलेगी, बल्कि मां बनने के बाद परदे पर उनके कमबैक को भी यादगार बनाएगी।

दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी और फिल्मकार कमाल अमरोही के जटिल रिश्ते पर आधारित इस फिल्म को लेकर लंबे समय से चर्चा थी कि मीना का रोल कौन निभाएगा, कियारा आडवाणी या कृति सेनन। अब आधिकारिक रूप से तय हो गया है कि यह चुनौतीपूर्ण किरदार कियारा के हिस्से में आया है। यह फिल्म मीना और कमाल के तूफानी रिश्ते की कहानी को बड़े परदे पर पेश करेगी। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमाल के पोते बिलाल अमरोही कर रहे हैं और निर्देशन हिंदी फेम सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा करेंगे। यह कियारा की पहली ऐसी फिल्म होगी, जिसमें वह किसी वास्तविक जीवन पर आधारित किरदार को परदे पर निभा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्टर सिद्धार्थ को कियारा में विंटेज बॉलीवुड चार्म और मीना कुमारी की भावनात्मक गहराई से जुड़ने की इमोशनल रेंज नजर आई, जिसके बाद यह फैसला किया गया। फिल्म की शूटिंग 2026 के पहले हिस्से में शुरू होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि वह अपनी भूमिका के लिए उर्दू उच्चारण और अंदाज पर भी काम करेंगी। फिलहाल कमाल के किरदार के लिए एक्टर की तलाश जारी है।

मां बनने के बाद कियारा का है यह पहला बड़ा प्रोजेक्ट साबित होगा

मां बनने के बाद यह कियारा की पहली फिल्म होगी, जो उनके लिए एक नई यात्रा की शुरुआत मानी जा रही है। कमाल और मीना के जरिए वह एक बार फिर दर्शकों को अपने अभिनय की गहराई से रूबरू कराएंगी। यह बायोपिक न सिर्फ उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बनेगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि कियारा कितनी सहजता से ग्लैमरस भूमिकाओं से निकलकर भावनात्मक और क्लासिक किरदारों में ढल सकती हैं। कमाल और मीना के अलावा कियारा के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं इनमें सबसे चर्चित टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स है, जिसमें वह कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ नजर आएंगी।

यामी और इमरान से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नही हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे। वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे। अपने किरदार साइरा को लेकर वर्तिका ने कहा, मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए। फिल्म हक में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी शाजिया नाम की महिला की भूमिका में हैं। कहानी में साइरा शाजिया के पति (इमरान हाशमी) के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद कानूनी जंग शुरू होती है। इस फिल्म का निर्देशन सुपर्ण वर्मा ने किया है।

मुझे कलाकार के तौर पर चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं

स्टार प्लस की महाभारत में मत्स्य रानी सत्यवती का रोल एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने किया था। उनके किरदार की तारीफ हर किसी ने की थी। अब एक्ट्रेस टीवी सीरियल जगद्धात्री में दिखने वाली हैं। उन्होंने सीरियल से जुड़े एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। सीरियल जगद्धात्री जीटीवी पर आने वाला है। इसमें अपने किरदार माया देशमुख पर सायंतनी घोष ने बातचीत में कहा कि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल किरदार था। अभी तक मैंने कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। लेकिन, यह सबसे अलग है। कलाकार के तौर पर मुझे चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं और इसी वजह से मैंने इस रोल को एक्सेप्ट किया। उन्होंने कहा कि माया देशमुख घर और बिजनेस दोनों संभाल रही हैं। मुझे लगता है कि असल जिंदगी में हर महिला का जीवन ऐसे संघर्ष से भरा रहता है। इसी वजह से माया के किरदार ने मुझे ज्यादा प्रभावित किया। हमें पहले लोगों की सोच बदलने की जरूरत है। लोगों को लगता है कि महिलाएं एक्शन नहीं कर सकतीं, लेकिन जगद्धात्री ऐसा शो है, जिसे महिला लीड कर रही है और पुरुषों की तरह एक्शन कर रही है। शो नारी की शक्ति का प्रतीक है। मुझे इस शो से बहुत सारी उम्मीदें हैं। मैं दर्शकों से इस सीरियल को बहुत सारा प्यार देने की रिक्वेस्ट करूंगी। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में आए बदलावों पर बात करते हुए कहा कि 20 साल में टेलीविजन इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए हैं। मैं भी समय के साथ खुद को बदलती हूं। आजकल वीयर्स की कमी देखी जा रही है। पहले शो सालों तक चलते थे। आज शो कुछ ही महीनों में खत्म हो जाते हैं। इतनी ज्यादा प्रतियोगिता है कि सीरियल की शेल्फ लाइफ कम हो गई है। इसमें बदलाव लाना चाहिए। सायंतनी घोष ने कहा कि मेरा सफर टीवी शो नागिन से शुरू हुआ था। मैंने महाभारत और नामकरण जैसे शोज किए हैं, जिनके लिए मुझे आज भी याद किया जाता है। लेकिन अब मैं कुछ अलग करना चाहती हूं और एक कलाकार होने के नाते आगे बढ़ना चाहती हूं। इसके लिए सीरियल जगद्धात्री बेस्ट है, क्योंकि ये अलग है।

श्रिया पिलगांवकर ने खत्म की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। जिसके साथ श्रिया ने जानकारी दी है कि उन्होंने फिल्म हैवान में अपने हिस्से की शूटिंग खत्म कर ली है। प्रियदर्शन के साथ श्रिया पिलगांवकर ने एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। यह तस्वीर फिल्म हैवान के सेट की है। इस तस्वीर में श्रिया और प्रियदर्शन मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। श्रिया ने अपनी और प्रियदर्शन की इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक परम सौभाग्य की बात है, जिसका नेतृत्व किया निर्देशक प्रियदर्शन ने। आगे श्रिया ने हैवान की पूरी टीम का धन्यवाद किया। आगे श्रिया ने फिल्म के स्टार्स को लेकर लिखा, सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा।

फिल्म हैवान के बारे में

बॉलीवुड आगामी फिल्म हैवान में अक्षय कुमार और सैफ अली खान हैं, जो प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित है। यह 2016 की मलयालम फिल्म ओप्पम का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में श्रिया के अलावा सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे।

कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी पूजा भट्ट की नई फिल्म, जितेंद्र कुमार नजर आएंगे

पूजा भट्ट ने अपनी नई फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म भारत की कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के एक्टर पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर जितेंद्र कुमार के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की और लिखा, दो दमदार कलाकार। एक गहरी कहानी। अपनी अगली फिल्म की घोषणा करते हुए बेहद खुश हूं। यह भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी परंपरा, कबूतरबाजी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी है।

फिल्म की स्टार कास्ट

पूजा भट्ट की इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के जितेंद्र कुमार नजर आएंगे। इस फिल्म में पूजा भट्ट मां की भूमिका में नजर आएंगी, जबकि जितेंद्र उनके बेटे का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म के निर्माता ख्याति मदान और सह-निर्माता हितेश केवले हैं। इस फिल्म को बिलाल हसन द्वारा लिखित और निर्देशित किया जाएगा।

जितेंद्र कुमार का करियर

जितेंद्र कुमार को हाल ही में पंचायत सीरीज के तीसरे सीजन में देखा गया था। जितेंद्र को टीवीएफ पिचर्स में जीतू, कोटा फैक्ट्री में जीतू भैया और पंचायत में अभिषेक त्रिपाठी के किरदारों के लिए जाना जाता है। जितेंद्र ने शुभ मंगल ज्यादा सावधान, जादूगर और ड्राई डे शामिल हैं। अब वह पूजा भट्ट के साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

किसकी बायोपिक करना चाहते हैं जितेंद्र

एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में जितेंद्र ने बताया था कि उन्हें क्रिकेट बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, 'मुझे विराट कोहली की कहानी बेहद प्रेरणादायक लगती है। अगर कभी मौका मिला तो मैं जरूर उनकी बायोपिक करना चाहूंगा।'

विदेशों में भारतीयों की घिसी-पिटी छवि बनी हुई है

दीपिका पादुकोण ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी घराने से आने के बावजूद इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। अब दीपिका अपनी शर्तों पर काम करती हैं। यही कारण है कि अपने आठ घंटे काम करने की मांग के चलते उनके हाथ से कई बड़ी फिल्में भी निकलीं, लेकिन उन्होंने खुद से समझौता नहीं किया। अब दीपिका ने अपने हॉलीवुड करियर को लेकर भी एक बड़ा बयान दिया है।

दीपिका ने कहा कि वो हॉलीवुड में अपनी शर्तों पर काम करेंगी, न कि वैसा जैसी हमारी वहां छवि बनी हुई है। दीपिका ने कहा विदेशों में आज भी भारत को लेकर एक छवि है। साथ ही उन्होंने अपने साथ वहां हुए भेदभाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं भारत को दुनिया के सामने लाने को लेकर बहुत स्पष्ट थी, लेकिन जिस भारत को मैं जानती हूं, वह ऐसा नहीं है। उदाहरण के लिए हॉलीवुड में जाना और कुछ ऐसी चीजें करना जो हमसे उम्मीद की जाती हैं या जो ग्लोबल ऑडियंस के हिसाब से करना, कुछ ऐसा है जो मैं कभी नहीं करना चाहती थी। विदेशों में यात्रा के दौरान भी मैंने अवसर देखा है कि वहां लोगों के मन में भारतीयों के बारे में वही पुरानी और घिसी-पिटी छवि है। चाहे वह कास्टिंग को लेकर हो, या हमारे बोलने के तरीके को लेकर हो या मेरी त्वचा के रंग को लेकर हो। यही कारण है कि हमें वहां टैलेंट को देखते हुए काम नहीं मिला, बल्कि घिसे-पिटे रोल दिए गए। दीपिका ने कहा कि मैं बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं यह काम अपने तरीके से और अपनी शर्तों पर करूंगी। बेशक इसमें ज्यादा समय लगा। हाल ही में अपने एक इंटरनेशनल ब्रांड के अभियान को याद करते हुए दीपिका ने बात की, जब सनसेट बुलेवार्ड पर जगह-जगह उनके होर्डिंग लगे थे। अभिनेत्री ने कहा कि मैं उस समय लॉस एंजिल्स में थी। यह देखकर पहले मुझे अजीब लगा, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी हुआ। एक वैश्विक लक्जरी ब्रांड के होर्डिंग पर एक भूरे रंग का चेहरा देखकर अच्छा लगा। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था और यह हर एक भारतीय महिला की जीत जैसा लगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण इन दिनों शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वो एटली और अल्लू अर्जुन की फिल्म को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

विन डीजल के साथ हॉलीवुड डेब्यू

दीपिका ने 2017 में विन डीजल के साथ 'XXX: रिटर्न ऑफ जेंडर केज' से हॉलीवुड में कदम रखा था। तब से दीपिका ने कई इंटरनेशनल ब्रांड साइन किए हैं और ग्लोबल मंच पर लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। हालांकि, उसके बाद से दीपिका किसी हॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई है।

पहला टेस्ट : दक्षिण अफ्रीका को 159 पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने बनाये 37/1

-बुमराह ने लिए 5 विकेट

कोलकाता (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने यहां के ईडन गार्डन मैदान में शुक्रवार से शुरु हुए पहले टेस्ट में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 159 रनों पर समेटकर अपनी पकड़ बना ली है। भारतीय टीम ने इसके बाद पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 37 रन बना लिए थे। खराब रोशनी के कारण मैच करीब 20 मिनट पहले समाप्त हो गया। इस प्रकार भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर अभी 122 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 13 और वाशिंगटन सुंदर 6 रनों पर खेल रहे थे। भारतीय टीम का एकमात्र विकेट यशस्वी जायसवाल का गिरा। यशस्वी मार्को यानसन की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे। वहीं इसके बाद राहुल और सुंदर ने खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केशव महाराज ने भी अपनी फिरकी से भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है जो उन्हें भारी पड़ गया। टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 159 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को एक विकेट मिला। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर ने 24, टॉनी डि जॉर्जी ने 24, रेयान रिकल्टन ने 23, काइल वेरेने ने 16, सिमोन हार्मर ने 5, टेम्बा बावुमा ने 3 और कॉर्बिन बॉश ने 3 रन बनाए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने लंच तक तीन विकेट पर 105 रन बनाये थे। लंच के समय वियान मुल्डर 22 और टोनी डि जोर्जी 15 रन बनाकर खेल रहे थे। मेहमान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की पर और उसकी शुरुआत ठीक रही। एडेन मार्करम ने 31 और रियान रिकेल्टन ने 23 रन बनाकर पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 9 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव ने 7 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। बुमराह ने दो ओवर के अंदर ही दोनों को आउट कर भारतीय टीम को मैच में वापसी कराई। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा बावुमा को केवल तीन रन पर आउट कर मेहमान टीम को करारा झटका दिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने चोटिल कागिसो रबाडा की जगह कोर्बिन बॉश को शामिल किया है जबकि भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा स्पिनर ऑलराउंडर, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में उतारा है।

लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत, लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

कुमामोतो (जापान) (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करते हुए कुमामोतो मास्टर्स जापान के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 475,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 40 मिनट में 21-13, 21-17 से हराया।

लक्ष्य ने दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबलों में सातवीं जीत के साथ अपना दबदबा कायम किया। इस साल सिंगापुर में हांगकांग ओपन में उपविजेता रहे दुनिया के 15वें नंबर के इस खिलाड़ी के सामने अंतिम चार में जापान के छठे वरीय और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी केंटा निशिमोतो की चुनौती होगी।

पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने इस दौरान अपने खेल में शानदार नियंत्रण दिखाकर दबदबा कायम किया। शुरुआती गेम में दोनों 4-4 से बराबरी पर थे, लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक के समय 11-8 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल किए और 18-9 की बढ़त बनाने के बाद आसानी से यह गेम अपने नाम कर लिया। लोह ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और शुरुआत में सेन के साथ 9-9 की बराबरी पर रहे। भारतीय खिलाड़ी ने दबदबा कायम करते हुए स्कोर को 15-9 कर दी। सिंगापुर के खिलाड़ी ने अंतर को 17-18 कर दिया लेकिन लक्ष्य ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए गेम के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बुमराह ने बनाया रिकार्ड, सबसे ज्यादा बोल्ड आउट करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां पहले ही टेस्ट में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब बुमराह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड आउट करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने दिग्गज पूर्व स्पिनर आर अश्विन को पीछे छोड़ा है।

बुमराह के अब तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 152 विकेट बोल्ड आउट करते हुए लिए हैं। ये किसी भारतीय गेंदबाज के तीसरे सबसे अधिक बोल्ड विकेट हैं। वहीं इस मामले में पहले नम्बर पर दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले हैं। उनके नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड करने का रिकार्ड है। उन्होंने 186 विकेट बोल्ड लिए हैं। वहीं कपिल देव दूसरे नंबर पर हैं, उन्होंने 167 विकेट बोल्ड करते हुए लिए हैं। वहीं अश्विन 151 बोल्ड विकेट के साथ चौथे और रवींद्र जडेजा 145 बोल्ड विकेट लेकर पांचवें नंबर पर खिसक गये हैं। भारत में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत के मामले में बुमराह पहले नंबर पर हैं।

17.12 - जसप्रीत बुमराह (56 विकेट)

18.38 - रिची बेनो (52 विकेट)

20.91 - रवींद्र जडेजा (246 विकेट)

21.57 - रवि अश्विन (383 विकेट)

22.10 - मोहम्मद शमी (76 विकेट)

22.23 - कुलदीप यादव (51 विकेट)

भारत की नंबर-3 पोजिशन पर फिर विवाद, पूर्व क्रिकेटर ने साई सुदर्शन को बाहर करने पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच से ठीक पहले टीम प्रबंधन ने बल्लेबाज साई सुदर्शन को अंतिम एकादश से बाहर कर दिया। इस फैसले ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर डोड्डा गणेश की कड़ी प्रतिक्रिया को जन्म दिया। उन्होंने नंबर-3 जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर लगातार बदलावों को टीम की 'बिना सोच-समझ की रणनीति' बताया। 2023 में चेतेश्वर पुजारा को हटाने के बाद से भारत इस जगह पर कई खिलाड़ियों को आजमा चुका है, लेकिन स्थिरता अब भी दूर है। गणेश ने चार स्पिनरों को खिलाने की रणनीति पर भी सवाल उठाए।

नंबर-3 के लिए वाशिंगटन सुंदर का चयन, सुदर्शन को बाहर

भारत ने पहले टेस्ट के लिए नंबर-3 बल्लेबाज के रूप में साई सुदर्शन की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया है। सुदर्शन ने अब तक पांच टेस्ट खेले हैं और नौ पारियों में दो अर्धशतकों के साथ 273 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ हाल में खेले गए दो अनौपचारिक टेस्ट में भी उन्होंने 32, 12, 17 और 23 रन की पारियां खेली थीं। उनके प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कई विशेषज्ञों का मानना था कि उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए था। लेकिन टीम प्रबंधन ने अचानक बदलाव करते हुए सुंदर पर भरोसा जताया, जिससे विवाद खड़ा हो गया।

'नंबर-3 पर बिना विज़न म्यूज़िकल चेयर खेल रहे हैं'

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर टीम प्रबंधन के इस फैसले की जमकर आलोचना की। उन्होंने लिखा, 'नंबर-3 टेस्ट टीम में सबसे अहम जगह है। लेकिन भारत बिना किसी विजन के लगातार खिलाड़ियों को बदल रहा है। विश्वास नहीं हो रहा कि टेस्ट स्तर पर ऐसा हो रहा है। साई सुदर्शन को यह टेस्ट खेलना चाहिए था।' गणेश के अनुसार इस स्थान पर भारत की निरंतरता की कमी विदेशी परिस्थितियों में टीम की बल्लेबाजी को कमजोर बनाती है।

चार स्पिनर खिलाने पर भी उठाए सवाल

भारत ने कोलकाता टेस्ट में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे चार स्पिनरों के साथ उतरने का फैसला किया है। गणेश इस फैसले से भी असहमत दिखे। उनका कहना था, 'पिच कितनी भी स्पिन-अनुकूल क्यों न हो, चार स्पिनर खिलाने की कोई जरूरत नहीं थी।' गणेश के अनुसार, एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज टीम को ज्यादा मजबूती देता, खासकर जब युवा खिलाड़ियों को तैयार करने की बात हो।

पुजारा के हटने के बाद नंबर-3 की मुश्किलें जारी

2023 WTC फाइनल में हार के बाद भारत ने चेतेश्वर पुजारा को टीम से बाहर किया और उसके बाद से इस स्थान पर लगातार प्रयोग किए हैं। केएल राहुल, शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर जैसे बल्लेबाजों को आजमाया गया, लेकिन नियमित सफलता सिर्फ गिल के घरेलू प्रदर्शन में ही देखी गई। विदेशी पिचों पर यह स्लॉट अब भी भारत की सबसे बड़ी कमजोरी बना हुआ है।

कुलदीप 150 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तीसरे गेंदबाज बने

कोलकाता। भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले ही दिन अपने 150 विकेट पूरे किये। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर आउट करने के साथ ही ये उपलब्धि हासिल की है। कुलदीप ने अपने 150 विकेट 87 पारियों में हासिल किये। कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर ही ध्रुव जुरेल के हाथों कैच करवाकर अपने 150 विकेट पूरे किये। कुलदीप भारत की ओर से बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले ये उपलब्धि भारतीय टीम की ओर से रविंद्र जडेजा और जहीर खान ने हासिल की थी। इसके अलावा कुलदीप भारत में 150 विकेट हासिल करने वाले दूसरे बतौर बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं। कुलदीप ने अपनी ही धरती पर 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का कारनामा बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर सबसे तेजी से किया है। कुलदीप ने केवल 87 पारी में ये आंकड़ा हासिल किया है। इससे पहले जहीर खान ने 135 पारी और जडेजा ने 200 पारी में 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर लिए थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से चोटिल होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली टी20 सीरीज से वापसी की संभावना है। पांड्या एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले सुपर 4 के मैच में चोटिल होने के बाद से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गए थे। अब वह फिट हो गये हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले वह घरेलू क्रिकेट में भी फिटनेस साबित करने के लिए खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी महीने के अंत में वह बड़ौदा की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते नजर आ सकते हैं। पांड्या मैच फिटनेस हासिल करने के बेहद करीब हैं। वह इस समय बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह घरेलू टी20 टूर्नामेंट के पहले मैच में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं अगर ऐसा नहीं होता है तो भी दूसरे टी20 में उनकी वापसी तय है। बड़ौदा का पहला मैच 26 नवंबर को और दूसरा मैच 28 नवंबर को खेला जाएगा। ऐसे में समझा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वही नहीं खेलेंगे, क्योंकि उनको टी20 फॉर्मेट में ही वापसी करनी होगी। 9 दिसंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज है, जिसके लिए पांड्या का टीम में चयन हो सकता है और वे इस सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

विश्व कप के लिए जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित, रोहित करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रैग-फ्लिकर रोहित को तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारत की 20 सदस्यीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया। दिग्गज पीआर श्रीजेश की कोचिंग में अभ्यास कर रही भारतीय टीम को पूल बी में चिली, स्विट्जरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। ओमान को पाकिस्तान द्वारा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर हटने के बाद विश्व कप में शामिल किया गया है।

कोच श्रीजेश ने कहा, 'हमने काफी जांच परख कर टीम का चयन किया है। इसके अधिकांश खिलाड़ियों को इस बड़े टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव है। चयन के मानदंडों में उनकी शारीरिक क्षमता, कौशल और टीम-प्ले शामिल थे। हमने हालांकि सबसे ज्यादा ध्यान दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी मानसिक क्षमता पर दिया।'

भारतीय टीम की कमान डिफेंडर रोहित संभालेंगे, जिन्होंने हाल ही में कलेशिया में हुए सुल्तान जोहोर कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम ने रजत पदक जीता था। बिक्रमजीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह गोलकीपर के रूप में टीम में चुने गए हैं। भारतीय जूनियर टीम को हालांकि अरिजीत सिंह हुंदल जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी खलेगी, जो कंधे की चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल पाएंगे।

श्रीजेश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप की तैयारी के दौरान हमें अंतरराष्ट्रीय मैचों में अच्छा अनुभव मिला है। हमने सीनियर भारतीय टीम के साथ भी कई मैच खेले हैं क्योंकि हम बेंगलुरु स्थित साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) के एक ही परिसर में हैं।' उन्होंने कहा, ''जब खिलाड़ी अपने सीनियर साथियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। कुल मिलाकर हम घरेलू दर्शकों के सामने अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।'

भारतीय जूनियर पुरुष टीम

गोलकीपर : बिक्रमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर : रोहित, आमिर अली, अनमोल एक्का, रवनीत सिंह, तालेम प्रियोबार्ता, सुनील पलक्षप्पा बेनूर, शारदानंद तिवारी

मिडफील्डर : अंकित पाल, रोहित कुल्लू, एड्रोहित एक्का, थौनाओजाम इंगलेम्बा लुवांग, मनमीत सिंह, रोशन कुजूर

फॉरवर्ड : सौरभ आनंद कुशवाह, अर्शदीप सिंह, अजीत यादव, गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह

रेड कार्ड मिलने के बाद रोनाल्डो पर विश्व कप मैच में प्रतिबंध का खतरा

डबलिन। पुर्तगाल अगर उम्मीद के मुताबिक 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर शुरुआती मैचों से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है। इस फुटबॉल सुपरस्टार को बृहस्पतिवार को डबलिन में खेले गए क्वालीफाइंग मैच के दूसरे हाफ में आयरलैंड के डिफेंडर दारा ओ'शे को कोहनी मारने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया था। इस मैच में पुर्तगाल को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। पुर्तगाल और आर्मेनिया के बीच रविवार को होने वाले मैच को रोनाल्डो नहीं खेल सकेंगे। इस मैच में जीत से पुर्तगाल के पास अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा। फीफा के अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार, इसके जज से समझ को "गंभीर बेईमानी" के लिए कम से कम दो मैचों का प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। "हिंसक आचरण" के लिए कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध शामिल है। कोहनी मारने को अगर हिंसक माना गया तो रोनाल्डो पर तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। फीफा का प्रतिबंध प्रतिस्पर्धी मैचों पर लागू होगा और टूर्नामेंट से पहले के अभ्यास मैचों में नहीं लगाया जा सकता। अवीवा स्टेडियम में लगभग एक घंटे के खेल के बाद जब आयरलैंड 2-0 की आश्चर्यजनक बढ़त बनाए हुए था तब रोनाल्डो ने अपनी दाहिनी कोहनी ओ'शे की पीठ पर मार दी। रेफरी ने पहले पीला कार्ड दिखाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे रेड कार्ड में बदल दिया। आयरलैंड के प्रशंसकों द्वारा हूटिंग किये जाने के बाद रोनाल्डो ने मैदान से बाहर जाते समय कुछ पल के लिए रुके और प्रशंसकों की ओर देखा। उन्होंने कटाक्ष भरे लहजे में ताली बजाई और व्यंग्यात्मक अंदाज में दोनों हाथों के अंगूठे दिखा। रोनाल्डो फरवरी में 41 साल के हो जायेंगे और उनका लक्ष्य रिकॉर्ड छठे विश्व कप टूर्नामेंट में खेलने का है।

रचिन और कॉनवे सहित कई खिलाड़ियों को रिलीज करेगी सीएसके

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास इस बार नीलामी में 30 करोड़ रुपये से अधिक बचे रहेंगे जिससे वह कई खिलाड़ियों को खरीद सकेगी। सीएसके प्रबंधन का लक्ष्य ऐसे में एक ऐसी टीम बनाना रहेगा जो जीत हासिल कर सके। सीएसके के पास मोटी रकम इसलिए बच रही है क्योंकि वह कई स्टार खिलाड़ियों को रिलीज करने जा रही है। इसमें न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और डेवोन कॉनवे भी शामिल हैं हालांकि मथीशा पथिराना टीम में बने रहेंगे। इसके अलावा नाथन एलिस को भी रिटेन करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के पास नीलामी में 30 करोड़ रुपये का पर्स हो सकता है। रचिन और कॉनवे के अलावा कई भारतीय खिलाड़ियों को टीम रिलीज करेगी जिसके उसके पास काफी रकम बचेगी। इसका इस्तेमाल टीम का सहयोगी स्टाफ नीलामी में कर सकता है। एलिस को ट्रेड के जरिए कई टीमों ने मांगा है, लेकिन सीएसके ने सीधे तौर पर मना कर दिया है। वहीं दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी को भी टीम रिलीज कर सकती है। जडेजा और सैम करन की ट्रेड डील राजस्थान रॉयल्स के साथ हो सकती है, जहां से संजू सैमसन सीएसके में आ सकते हैं। विजय शंकर को भी सीएसके रिलीज कर सकती है। इस तरह सीएसके पास काफी रकम रहेगी। युवा खिलाड़ियों के साथ फ्रेंचाइजी बने रहना पसंद करेगी। वहीं महेन्द्र सिं धोनी भी इस सीजन खेलने वाले हैं तो विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी वही संभालेंगे। सीएसके उन खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है, जो घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जो खिलाड़ी विदेशी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाल मचा रहे हैं। धोनी का संभावित तौर पर यह आखिरी सीजन होगा। ऐसे में फ्रेंचाइजी चाहेगी कि एक दमदार टीम बनाई जाए।

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर केकेआर के गेंदबाजी कोच बने

कोलकाता : कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के आगामी सत्र के लिए न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर टिम साउथी को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। साउथी ने 107 टेस्ट मैचों, 161 वनडे और 126 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और 776 विकेट लिए हैं। साउथी अपने खेल करियर के दौरान IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (2021, 2022, 2023) का हिस्सा रहे हैं। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने कहा, "KKR मुझे हमेशा घर जैसा लगा है और इस नयी भूमिका में वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस फैंचाइजी की संस्कृति अद्भुत है, प्रशंसक जुनूनी हैं और खिलाड़ियों का एक बेहतरीन समूह है। मैं गेंदबाजों के साथ मिलकर काम करने और IPL 2026 में टीम को सफलता दिलाने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।' कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'हमें कोच के तौर पर टिम साउथी का केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। टिम का अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता हमारी गेंदबाजी इकाई को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनके नेतृत्व कौशल और शांतचित्त रवैया उन्हें हमारे युवा गेंदबाजों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक बनाते हैं।'

भारतीय रिकर्व पुरुष टीम ने एशियाई स्वर्ण पदक के 18 साल के इंतजार को किया खत्म

ढाका (एजेंसी)। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने हाल के दिनों में अपना सबसे रोमांचक प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को एक बेहद करीबी शूट-ऑफ में हराकर 18 साल में पहली बार एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की तिकड़ी ने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेओ मिंगी, किम येचन और जंग जिहो की कोरिया की दूसरी श्रेणी की टीम पर 5-4 से नाटकीय जीत दर्ज की और 2009 से इस प्रतियोगिता पर कोरिया के दबदबे को खत्म किया। दोनों टीमों ने शूट-ऑफ में 29 अंक बनाए लेकिन दो बार के ओलंपियन दास ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 10 अंक वाला निशाना साधा जो कोरिया के तीरंदाज के निशाने के मुकाबले केंद्र से अधिक करीब था।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जल्दी बाहर होने वाले दास के दबाव में शानदार खेले भारत ने 2007 के बाद से एशियाई चैंपियनशिप पुरुष टीम में पहला स्वर्ण पदक जीता। इस परिणाम के साथ चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या चार स्वर्ण और दो रजत हो गई। कंपाउंड टीम ने बृहस्पतिवार को तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए थे। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम ने टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर यादगार दोहरा प्रदर्शन किया।

यह रिकर्व पुरुष टीम के कोच राहुल बनर्जी के लिए बेहद भावुक क्षण था जो 2007 की चैंपियन टीम के सदस्य थे। तब स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में उनके साथ मंगल सिंह चंपिया और जयंत तालुकदार भी थे। खिलाड़ी के तौर पर चैंपियन बनने के अठारह साल बाद 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने दूसरी जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'एक कोच के तौर पर यह वाकई संतोषजनक है क्योंकि हमने कोरिया को हराया। मैं और अतनु कल रात इस बारे में चर्चा कर रहे थे कि हमने लंबे समय से कोई स्वर्ण पदक नहीं जीता था और आखिरकार यह बात पूरी हो गई। अगला लक्ष्य निश्चित रूप से एशियाई खेल है।'

कोरिया भले ही अपने दिग्गज ओलंपिक चैंपियन किम वूजिन के बिना आया हो, लेकिन टीम में बेहतरीन प्रतिभाएं मौजूद हैं। सेओ मिंगी राष्ट्रीय ट्रायल में शीर्ष पर रहे, 20 वर्षीय किम येचन पेंदु विश्वविद्यालय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं। इस तिकड़ी में प्रतिभाशाली जंग जिहो भी शामिल हैं। बनर्जी ने कहा, 'वे उनके शीर्ष तीन तीरंदाज नहीं हैं, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के बाद उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल लिया और ये चुने गए। जहां तक मेरी जानकारी है ये उनके शीर्ष क्रम में चौथे, पांचवें और छठे नंबर के तीरंदाज हैं।'

फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कोरिया ने पहले सेट में आठ के एक निशाने के बाद 56 अंकों से शुरुआत की और भारत ने उसे माकूल जवाब दिया। भारत दूसरे सेट में एक निशाना सात अंक का लगाने के बावजूद 56 अंक बनाकर फिर से कोरिया की बराबरी करने में सफल रहा। कोरिया ने तीसरे सेट में कोरिया ने 57 अंकों के साथ बढ़त हासिल की लेकिन भारत ने चौथे सेट में लगातार 10 अंकों वाले निशाने से शुरुआत कर दबाव बना लिया। टीम इस सेट को 57-53 से जीतने में सफल रही। स्कोर 4-4 से बराबर होने के बाद मुकाबला शूट ऑफ में गया जहां टीम ने शानदार निशाने के साथ पिछले दो दशक के खिताबी सूखे को खत्म किया।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, जगह-जगह धमाके

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर वहां की अदालत फैसला सुनाने वाली है। इससे ठीक पहले बीते दो दिनों से देश में आगजनी और क्रूड बम हमलों से तनाव का माहौल है। इन हिंसक घटनाओं ने 2024 के अज्ञात छात्र विरोध प्रदर्शनों की यादें ताजा कर दी हैं, जिनमें 500 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। गुरुवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका एक किले में तब्दील हो गई है, क्योंकि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 'ढाका लॉकडाउन' का आह्वान किया है। पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। ढाका के प्रवेश बिंदुओं पर कई चौकियां स्थापित की गई हैं और सार्वजनिक वाहनों की गहनता से जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के आसपास भी कड़ी कर दी गई है। आपको बता दें कि यही अदालत शेख हसीना और उनके शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर फैसला सुनाने की तारीख तय करेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत में शरण लेने आई थीं। उनपर हत्या और साजिश सहित दर्जनों आरोप हैं। राजनीतिक तनाव ने ढाका में जनजीवन ठप कर दिया है और आगजनी तथा क्रूड बम हमलों की घटनाएं राजधानी से बाहर गाजीपुर और ब्राह्मणबारिया जैसे शहरों तक फैल गई हैं। 'द डेली स्टार' की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने हिंसा के लिए अवामी लीग समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। ब्राह्मणबारिया में ग्रामीण बैंक की एक शाखा को आग लगा दी गई, जिससे फर्नीचर और दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हो गए। आपको बता दें कि बांग्लादेश के इस ग्रामीण बैंक की स्थापना मुहम्मद यूनुस ने 1983 में गरीबों को माइक्रो-क्रेडिट (सूक्ष्म ऋण) प्रदान करने के लिए की थी। यूनुस वर्तमान में बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख हैं।

'तुम्हारी कितनी बीवियां हैं?' जब व्हाइट हाउस में ट्रंप ने सीरिया के राष्ट्रपति से पूछा चौंकाने वाला सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अभूतपूर्व कूटनीतिक घटना के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा का स्वागत किया। अहमद अल शरा को एक समय अमेरिका ने आतंकी घोषित किया था और उन पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। अब उन्हीं अहमद अल शरा के नाम को न सिर्फ अमेरिका ने आतंकी सूची से हटाया बल्कि व्हाइट हाउस में बतौर आधिकारिक मेहमान उनका स्वागत भी किया। कुछ साल पहले तक इस बात की कल्पना भी मुश्किल थी। व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसकी खूब चर्चा हुई। दरअसल ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति को एक परफ्यूम गिफ्ट किया। इस दौरान ट्रंप ने बाकायदा परफ्यूम खोलकर उसे सीरियाई राष्ट्रपति को लगाया। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि यह बेहतरीन परफ्यूम है। एक तुम्हारे लिए है और दूसरा तुम्हारी पत्नी के लिए। इसके बाद ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति से मजाकिया अंदाज में पूछा कि आपकी कितनी बीवियां हैं? इस पर सीरियाई राष्ट्रपति ने हंसते हुए एक बताया। इसके बाद वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं के बीच हुई यह मुलाकात इस साल हुई दूसरी मुलाकात है। इससे पहले मई 2025 में सऊदी अरब में दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई थी। वहीं किसी भी सीरियाई राष्ट्रपति का यह पहला अमेरिकी दौरा है। अल शरा पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट कर सीरिया के राष्ट्रपति पद पर काबिज हुए थे।

कनाडा में मिले जयशंकर-रुबियो, मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़ी उम्मीद बढ़ी

टोरंटो, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर अभी कनाडा के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने बुधवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय व्यापार और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे रहे। यह बैठक कनाडा के नियाग्रा क्षेत्र में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच न्यायसंगत व्यापार समझौता लगभग तैयार है। साथ ही वह जल्द ही भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क (टैरिफ) को कम करेंगे। पिछले कुछ महीनों में भारत-अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ा है, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था। जयशंकर ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने दिल्ली धमाके में मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई। हमने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। साथ ही यूक्रेन, मध्य पूर्व और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। यह जयशंकर और रुबियो की पिछले दो हफ्तों में दूसरी मुलाकात थी।

पाक में चलेगी आसिम मुनीर की मनमानी, शहबाज ने सुप्रीम कोर्ट से छीनी शक्ति, भड़के इमरान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को एक ऐतिहासिक और विवादास्पद संवैधानिक संशोधन पारित किया जिसके तहत सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को व्यापक नई शक्तियां मिलेंगी और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस संशोधन के तहत जनरल आसिम मुनीर को 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' नामक एक नए शीर्ष पद पर नियुक्त किया जाएगा। इस पद के माध्यम से उन्हें थलसेना, नौसेना और वायुसेना - तीनों सेनाओं की औपचारिक कमान मिल जाएगी। कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि मुनीर अपने कार्यकाल के बाद भी रैंक बरकरार रखेंगे और उन्हें आजीवन कानूनी प्रतिरक्षा प्राप्त रहेगी।

यह संशोधन विधेयक संसद के निचले सदन में हंगामे के बीच दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया। कुल 234 वोट पक्ष में और केवल चार विरोध में पड़े। संसद सत्र में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो जरदारी मौजूद थे। विधेयक अब राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी के लिए भेजा गया है, जिनके हस्ताक्षर की उम्मीद बुधवार रात तक की जा रही है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ ने सत्र का बहिष्कार किया और विधेयक की प्रतियां फाड़कर विरोध जताया। पीटीआई अध्यक्ष गोहर अली खान ने आरोप लगाया कि सरकार

एक और विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग बना रही है और कहा, 'इस संशोधन के पारित होने के बाद लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा।

विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान ने इस संशोधन के खिलाफ जन आंदोलन का ऐलान किया था, लेकिन फिलहाल उसका विरोध संसद और सार्वजनिक बयानों तक सीमित है।

नए कानून के तहत राष्ट्रपति अब प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस दोनों की नियुक्ति करेंगे। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी का पद नवंबर 2025 में समाप्त कर दिया जाएगा। सरकार को अब फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट जैसे आजीवन मानद सैन्य पद प्रदान करने की भी शक्ति होगी।

साथ ही संशोधन में 'फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट' की स्थापना का भी प्रावधान है, जो संवैधानिक मामलों की व्याख्या करेगी, जबकि सुप्रीम कोर्ट की भूमिका नागरिक और आपराधिक मामलों तक सीमित रहेगी। कानून मंत्री आजम नजीर तारड़ ने संशोधन का बचाव करते हुए कहा कि यह विकास की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसे देशभर के विधि विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि यह कदम सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और न्यायपालिका को कमजोर करने की दिशा में एक और बड़ा कदम है।

आसिम मुनीर की तारीफ में बिछे शहबाज : जहां एक तरफ बिल की कड़ी आलोचना हो रही है वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस संशोधन को राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम बताया है। शरीफ ने इस मौके पर आसिम मुनीर को देश का हीरो भी बताया। शरीफ ने कहा, 'इसमें क्या गलत है? देश अपने हीरो का सम्मान करते हैं। हम जानते हैं कि अपने नायकों के प्रति सम्मान कैसे दिखाया जाए।'

आर्मी के हाथों में परमाणु कमांड : 27वें संविधान संशोधन का एक बहुत खास हिस्सा है नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड (एनएससी) का गठन। यह कमांड पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और मिसाइल सिस्टम की निगरानी और नियंत्रण करेगी।

अब तक यह जिम्मेदारी नेशनल कमांड अथॉरिटी के पास थी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे, लेकिन अब से एनएससी के पास इसकी जिम्मेदारी हो जाएगी। एनएससी का कमांडर भले ही प्रधानमंत्री की मंजूरी से नियुक्त होगा, लेकिन यह नियुक्ति सेना प्रमुख की सिफारिश पर ही होगी। सबसे जरूरी यह पद सिर्फ आर्मी के अफसर को ही दिया जाएगा। इससे देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अब पूरी तरह सेना के हाथ में चला जाएगा।

कोर्ट में जजों की नियुक्ति सरकार के हाथों : इस बिल में आठ नए संशोधन जोड़े गए हैं, जो सीनेट के पहले मंजूर संस्करण का हिस्सा नहीं थे। सबसे बड़ा बदलाव न्यायपालिका से जुड़ा है। अब सभी संवैधानिक मामले सुप्रीम कोर्ट से हटाकर 'फेडरल कांस्टीट्यूशनल कोर्ट' में बदल जाएंगे, जिसके जजों की नियुक्ति सरकार करेगी। हाल के वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने कई सरकारी नीतियों को रोका था और प्रधानमंत्रियों को पद से हटाया था, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

अमेरिका में जैविक सामग्री तस्करी मामले में चीनी वैज्ञानिक दोषी, सजा पूरी होने के बाद होगा निर्वासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में जैविक सामग्री की तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक चीनी वैज्ञानिक ने बुधवार को अदालत में अपना अपराध कबूल कर लिया। हालांकि अदालत ने उसे पहले से जेल में बिताए पांच महीने की सजा को ही अंतिम माना और अब उसे रिहा कर चीन वापस भेजा जाएगा। 33 वर्षीय यूनकिंग जियान, जो यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की एक लैब में अस्थायी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही थीं, को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने प्रेमी जुनयोंग लियू के साथ मिलकर अमेरिका में एक खतरनाक फफूंदी (फंगस) लाने की साजिश रची थी।

यह फफूंदी फ्यूजेरियम ग्रामिनेरम नाम के एक रोगजनक है, जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसी फसलों पर हमला कर सकती है और उन्हें बर्बाद कर सकती है। यह फफूंदी अमेरिका के कुछ इलाकों में मौसम और फसल की परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए पहले से मौजूद होती है, लेकिन इसे विदेश से बिना सरकारी अनुमति लाना कानूनन अपराध है।

गंभीर नुकसान की आशंका थी- सरकारी वकील : वहीं अमेरिकी सरकारी वकील माइकल मार्टिन ने अदालत में कहा कि इस कृत्य से 'गंभीर नुकसान' की आशंका थी, हालांकि उन्होंने विस्तार

से यह नहीं बताया कि नुकसान कैसे हो सकता था। उन्होंने कहा, 'मेरे पास यह सबूत नहीं है कि उसने बुरी नीयत से यह किया, लेकिन यह भी सबूत नहीं है कि उसने मानवता के भले के लिए किया।' मामले की संघीय न्यायाधीश सुसान डेकलर्क ने इस मामले को बहुत अजीब बताया और कहा कि आरोपी एक 'बेहद योग्य शोधकर्ता' हैं। इस मामले में सरकारी वकील ने जहां दो साल की सजा की मांग की थी, वहीं जज ने केवल पांच महीने की सजा दी, जो जियान पहले ही जेल में काट चुकी थीं। यूनकिंग जियान को अदालत में जंजीरों में पेश किया गया, उन्होंने अदालत से माफी मांगी और कहा कि वह दबाव में थीं। अपने लिखित बयान में उन्होंने लिखा, 'मैंने नियमों का पालन नहीं किया क्योंकि मुझ पर शोध को आगे बढ़ाने और परिणाम देने का दबाव था। मेरा उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि फसलों को बीमारियों से बचाने के तरीकों पर काम करना था।

म्यांमार की वायुसेना में रूस और चीन के विमान-हेलिकॉप्टर्स हुए शामिल, अब अभियान तेज करेगी सेना?

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार ने अपनी वायुसेना में रूस के हेलिकॉप्टर और चीन के विमान शामिल किए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब ये दोनों देश अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद म्यांमार के सैन्य शासन को हथियार और उपकरण मुहैया करा रहे हैं, ताकि देश में जारी खूनी गृहयुद्ध को समाप्त किया जा सके।

प्रतिबंधों के बावजूद हथियार मुहैया करा रहे चीन-रूस : अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने म्यांमार पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें हथियारों की बिक्री पर रोक भी शामिल है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, रूस और चीन लगातार म्यांमार की सेना को सैकड़ों मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और उपकरण दे रहे हैं।

सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएंगे विमान-हेलिकॉप्टर्स: सेना : सेना की ओर से जारी तस्वीरों में तीन रूसी एमआई-38टी हेलिकॉप्टर और दो चीनी जई-8 विमान दिखाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनका इस्तेमाल पर्वतीय इलाकों में सैनिकों को भेजने के अभियानों में किया जाएगा। सेना ने कहा कि परिवहन विमान म्यांमार की वायु सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएगा। इन विमानों को सात नवंबर को राजधानी नेपीडॉ में आयोजित एक समारोह में शामिल किया गया।

कूटनीतिक दबावों के बावजूद हथियार खरीद रही सेना : म्यांमार के शीर्ष सैन्य शासक जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और आंतरिक हालात स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सभी प्रकार के विमानों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। सिंगापुर स्थित अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अध्ययन संस्थान (आईआईएसएस) के विश्लेषक मॉर्गन माइकल्स ने कहा, रूस से मिल रहे नए हेलिकॉप्टर्स और विमानों की आपूर्ति दिखाती है कि आर्थिक और कूटनीतिक दबावों के बावजूद म्यांमार की सेना अब भी जरूरी उपकरण हासिल कर रही है और रूस इसके लिए जीवनरेखा बना हुआ है। रक्षा खुफिया कंपनी 'जेंस' के मुताबिक, म्यांमार रूस के निर्यात का पहला ज्ञात ग्राहक है जिसने एमआई-38टी हेलिकॉप्टर खरीदे हैं।

अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन 43 दिन बाद खत्म

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक सरकारी फंडिंग बिल पर साइन किए, जिससे 43 दिन से जारी शटडाउन खत्म हुआ। इस बिल को हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (निचले सदन) ने 222-209 के अंतर से पास किया था। हालांकि, इसमें हेल्थ केयर प्रोग्राम एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) के प्रीमियम टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने का कोई वादा नहीं किया गया, जो 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। यह विधेयक सीनेट (उपरी सदन) में पहले ही पास हो चुका है।

ट्रम्प ने बिल पर साइन करने से ठीक पहले कहा, 'देश इससे बेहतर स्थिति में कभी नहीं रहा। यह एक महान दिन है।' यह बिल सरकार को 31 जनवरी तक फंडिंग उपलब्ध कराएगा। विधेयक के तहत एजेंसियों को 31 जनवरी तक कर्मचारियों की छंटनी करने से रोका जाएगा। वहीं, डेमोक्रेटिक के कुछ

लीडर्स ने एसीए सब्सिडी के टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने की लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा- यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, हम लड़ते रहेंगे।

रिपब्लिकन सांसद बोले- शटडाउन टीवी शो जैसा : यह वोटिंग डेमोक्रेट्स के न्यू जर्सी और एरीजोना में हुए हाई-प्रोफाइल चुनावों में जीत हासिल करने के आठ दिन बाद हुआ है। पार्टी के कई लोगों का मानना था कि इससे स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी के विस्तार की संभावनाएं मजबूत होंगी, जो साल के अंत में समाप्त होने वाली है। हालांकि इस समझौते के तहत दिसंबर में सीनेट में इन सब्सिडी पर मतदान होने का वादा किया, लेकिन हाउस में ऐसा कोई वादा नहीं किया गया है। रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने इसे एक ऐसा टीवी शो बताया जिसमें असल मुद्दा समझ ही नहीं आया। जबकि डेमोक्रेट सांसद मिकी शेरिल ने कहा कि सदन ट्रम्प का रबर स्टैंप न बने जो बच्चों से खाना और इलाज छीन रहा है, और देश से हार न मानने की अपील की।

डेमोक्रेट्स ने लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया : बुधवार रात हाउस ने फंडिंग बिल पास करने के बाद डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीज, रिप कैथरीन क्लार्क और कॉकस चेयर पीट एगुइलर ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि वे गरीब और मध्यम वर्ग के अमेरिकियों के लिए स्वास्थ्य बीमा सस्ता बनाने वाले इन क्रेडिट्स को तीन साल के लिए बढ़ाने के लिए संघर्ष करेंगे। हकीम जेफ्रीज ने कहा, 'यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। हम आज लड़ेंगे, कल लड़ेंगे, इस हफ्ते लड़ेंगे, अगले हफ्ते लड़ेंगे, इस महीने लड़ेंगे, अगले महीने लड़ेंगे, हम तब तक लड़ेंगे जब तक हम अमेरिकी लोगों के लिए यह लड़ाई जीत नहीं लेते।

ट्रम्प बोले- सरकार खुलते ही मिलकर हल करूंगा : ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) को 'हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए मुनाफा और अमेरिकी लोगों के लिए आपदा' बताया था। ट्रम्प का कहना है कि सब्सिडी के बजाय लोगों को सीधे पैसे देकर उन्हें अपनी पसंद का इंश्योरेंस खरीदने की सुविधा दी जानी चाहिए।

फेंटानिल से जुड़े 13 रसायन चीन में प्रतिबंधित, काश पटेल बोले- राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच हुई अहम बातचीत के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सामने आया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल ने बताया कि चीन ने फेंटानिल नाम के घातक ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले 13 रासायनिक तत्वों को अब आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित सूची में डाल दिया है। साथ ही, चीन ने ऐसे 7 रासायनिक कारखानों पर भी नियंत्रण लगाने का फैसला किया है, जो अब तक इस ड्रग के निर्माण में भूमिका निभा रहे थे।

हजारों अमेरिकियों की बचेगी जान- पटेल : काश पटेल ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, 'अब चीन ने पूरी तरह से कदम उठाया है। फेंटानिल बनाने वाले सभी 13 केमिकल्स को सूचीबद्ध कर दिया गया है और 7 कंपनियों को भी नियंत्रण में लिया गया है। इस फैसले के बाद फेंटानिल का जो 'पाइपलाइन' चीन से मेक्सिको और दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचता था, वह अब बंद हो गया है।' काश पटेल ने कहा कि यह कदम हजारों अमेरिकियों की जान बचाएगा, क्योंकि फेंटानिल अमेरिका में ओवरडोज से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण बन चुका था।

राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी- काश पटेल : उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया। 'यह सब राष्ट्रपति ट्रंप की मजबूत नेतृत्व क्षमता के बिना संभव नहीं था। उन्होंने अमेरिकी जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह किसी भी राष्ट्रपति की तरफ से उठाया गया पहला और ऐतिहासिक कदम है जिससे फेंटानिल के संकट को रोका जा सकेगा।' उन्होंने ट्रंप प्रशासन, अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे), एफबीआई टीम और चीन में अमेरिकी राजदूत परड्यू की भी सराहना की, जिन्होंने जमीन पर बातचीत कर यह समझौता संभव किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भी फैसले पर दी प्रतिक्रिया : यह घोषणा ठीक उस समय आई है जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा था, 'चीन ने साफ कहा है कि वह अमेरिका में फेंटानिल के प्रवाह को रोकने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेगा। वे फेंटानिल संकट को खत्म करने में मदद करेंगे।' फेंटानिल एक सिंथेटिक (कृत्रिम) ड्रग है जो बेहद शक्तिशाली होता है। यह मॉर्फिन से करीब 50 गुना ज्यादा असरदार होता है। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी जानलेवा हो सकती है। अमेरिका में हर साल लाखों लोग फेंटानिल ओवरडोज से अपनी जान गंवाते हैं। वहीं इस मामले में विशेषज्ञों का कहना है कि अगर चीन अपने वादे पर कायम रहता है।

दिल्ली कार ब्लास्ट जांच पर अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं, वे पेशेवर तरीके से संभाल रहे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 10 नवंबर को दिल्ली में हुए कार विस्फोट की जांच में भारत की मदद करने की पेशकश की है। हालांकि, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारतीय अधिकारी इस जांच को बहुत ही पेशेवर तरीके से संभाल रहे हैं। कनाडा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा, 'हमने मदद की पेशकश की है, लेकिन मुझे लगता है कि वे इन जांचों में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं है और वे अच्छा काम कर रहे हैं।'

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी-7 बैठक के इतर रुबियो से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें दिल्ली विस्फोट भी शामिल था। जयशंकर ने कहा था, 'दिल्ली विस्फोट में जान गंवाने वालों पर संवेदना के लिए उनका आभार। द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व/पश्चिम एशिया और इंडो-पैसिफिक पर विचार साझा किए।' उन्होंने बताया था कि राजधानी हाई अलर्ट पर है और आतंकी कनेक्शन की जांच चल रही है। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका ने कहा था कि वह दिल्ली की स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़े तो मदद देगा।

क्या बोले मार्को रुबियो : रुबियो का यह बयान जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर एक मीडिया वार्ता के दौरान आया। वहां जब उनसे भारत में आतंकी हमले की घटना को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि जांच को

लेकर भारत की तारीफ करनी होगी। वे काफी सधे और सतर्क रहे हैं। साथ ही उन्होंने पेशेवर तौर पर जांच की है। यह जांच अभी जारी है। यह साफ तौर पर एक आतंकी हमला था। यहां एक कार थी, जो खतरनाक विस्फोटकों से लदी थी और जिसमें ब्लास्ट ने कई लोगों की जान ले ली।

उन्होंने आगे जोड़ा, 'मुझे लगता है कि वे जांच में काफी अच्छा काम कर रहे हैं और जब उनके पास तथ्य होंगे, तब वे तथ्यों को सामने भी रखेंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया कि उन्होंने इसे लेकर भारत के अपने समकक्ष एस. जयशंकर से भी बात की। उन्होंने कहा कि हमने मदद की पेशकश की, लेकिन भारत अपने आप में जांच को संभालने में काफी सक्षम है और उसे मदद की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हमें इस घटना की गंभीरता का अंदाजा है और हमने इसके बारे में बात भी की। हम इंतजार करेंगे कि जांच में क्या सामने आता है। हमने मदद की पेशकश की, लेकिन उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। वे पहले ही बेहतर काम कर रहे हैं।' गौरतलब है कि जयशंकर और रुबियो के बीच कनाडा के ओंटारियो में जी7 बैठक के इतर मुलाकात हुई। चर्चा के दौरान रुबियो ने दिल्ली धमाके में मौतों को लेकर संवेदना जाहिर की। साथ ही दोनों देशों के रिश्तों पर भी चर्चा की।

डेमोक्रेट्स ने जारी किए एपस्टीन के ईमेल: ट्रंप पर लड़कियों की जानकारी रखने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसदों की ओर से जारी किए गए जेफ्री एपस्टीन के ईमेल्स में दावा किया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एपस्टीन के यौन तस्करी से जुड़ी नाबालिग लड़कियों के बारे में जानकारी थी और वे एक पीड़िता के साथ उसके घर पर घंटों रहे थे। अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने बुधवार को ये ईमेल सार्वजनिक किए, जिनसे ट्रंप और एपस्टीन की पुरानी दोस्ती और संभावित जानकारी पर नए सवाल उठे हैं। 2011 के एक ईमेल में एपस्टीन ने अपनी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को लिखा, तुम समझो कि जो अब तक चुप है, वह ट्रंप है। उसने आगे कहा कि ट्रंप मेरे घर पर घंटों एक लड़की के साथ रहे, जिसे कमेटी ने एक पीड़िता बताया है। एक अन्य ईमेल में एपस्टीन ने पत्रकार माइकल वोल्फ को लिखा कि बेशक ट्रंप को लड़कियों के बारे में पता था, उसने गिस्लेन से रोकने को कहा था। फिलहाल व्हाइट हाउस ने इस पर कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन था जेफरी एपस्टीन : न्यूयॉर्क शहर में जन्मे और पले-बढ़े एपस्टीन ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत डाल्टन स्कूल में एक शिक्षक के रूप में की। 1976 में स्कूल से निकाले जाने के बाद उन्होंने बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां उसने कई पदों पर काम किया। 2005 में फ्लोरिडा पुलिस ने जेफरी एपस्टीन के खिलाफ जांच शुरू की। दरअसल, एक माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एपस्टीन ने उनकी 14 वर्षीय बेटी का यौन शोषण किया। जांच से पता चला कि एपस्टीन ने 36 लड़कियों का यौन शोषण और उत्पीड़न किया था, जिनमें से कुछ 14 साल की थीं। उसने दो मामलों में दोषी होने की दलील दी और 2008 में उसे दोषी ठहराया गया। हालांकि, एपस्टीन ने केवल 13 महीने जेल में बिताए, जिसके बाद उसे कथित तौर पर एक विवादास्पद सौदे के कारण रिहा कर

दिया गया, क्योंकि उस पर केवल दो अपराधों के लिए आरोप लगाया गया था। इस बार न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में नाबालिगों की यौन तस्करी के आरोप में। मुकदमे के दौरान सीरियल यौन अपराधी ने अगस्त में अमेरिकी जेल में आत्महत्या कर ली।

एपस्टीन फाइल्स क्या हैं : जेफरी एपस्टीन की जांच के दौरान मिली सामग्री (जिसमें दस्तावेज, संपर्क सूची, कॉल रिकॉर्ड और फ्लाइट लॉग, गवाहों की गवाही, संपर्क सूचियां और एपस्टीन की गतिविधियों से जुड़े अन्य सबूत शामिल हैं। इसमें कई हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के नाम हैं, जो सामाजिक, पेशेवर या एपस्टीन से जुड़े थे। हालांकि, इन दस्तावेजों में नाम होना स्वाभाविक रूप से गलत शख्स होने का संकेत नहीं है, क्योंकि कई लोग सामाजिक अवसरों पर एपस्टीन से अचानक ही मिलते थे। दस्तावेजों को चरणों में जारी किया गया, जिनमें से महत्वपूर्ण बैचों को जनवरी 2024 और फरवरी 2025 में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी के तहत अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से खोला गया।

एपस्टीन फाइल्स में किस-किस के नाम : फरवरी 2025 में अमेरिकी न्याय विभाग के एक दस्तावेज से पता चला था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पॉप आइकन माइकल जैक्सन, अभिनेता एलेक बाल्डविन और फिल्म निर्माता हार्वे वीनस्टीन उन हस्तियों में शामिल थे, जो जेफरी एपस्टीन की संपर्क सूची में थे। हालांकि, इन लोगों की संलिप्तता के बारे में जांच से जो पता चला है, वह अभी भी जनता के लिए खुला नहीं है। न्याय विभाग के दस्तावेज में कई अन्य हाई-प्रोफाइल नाम शामिल थे, जैसे कि न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर और संगीतकार कोर्टनी लव। अन्य लोगों में सुपरमॉडल नाओमी कैंपबेल, रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की मां एथेल कैनेडी, पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, दिवंगत सीनेटर टेड कैनेडी, वकील एलन डर्सोविट्ज और अभिनेता डस्टिन हॉफमैन और राल्फ फिएनेस शामिल थे।

आईसीयू में भर्ती धर्मेंद्र और उनके परिवार का चुपके से वीडियो बनाना पड़ा महंगा, अस्पताल कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता धर्मेंद्र अभी भी इलाज करा रहे हैं। इस बीच, उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें परिवार के सभी सदस्य उनके आसपास नजर आ रहे थे। उनकी पत्नी प्रकाश कौर रो रही थीं और सनी देओल उन्हें दिलासा दे रहे थे। परिवार के इस बेहद निजी और भावुक पल की फुटेज मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के एक कर्मचारी ने चुपके से रिकॉर्ड कर ली। अब जानकारी सामने आ रही है कि वीडियो शूट करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो अभिनेता के अस्पताल से छुट्टी मिलने के अगले दिन 13 नवंबर को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वायरल वीडियो में धर्मेंद्र बिस्तर पर लेटे हुए नजर आ रहे थे, जबकि उनके बेटे बॉबी देओल, सनी देओल और बेटियां अजीता और विजेयता और परिवार के अन्य सदस्य पास में खड़े थे। सभी दुखी थे और उनकी आंखों में आंसू थे। सनी के बच्चे करण और राजवीर भी वहीं थे। धर्मेंद्र की पहली पत्नी प्रकाश कौर विलाप में फूट-फूट कर रोती हुई दिखाई दे रही थी। खबर के अनुसार पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जिस कर्मचारी ने चुपके से वीडियो बनाया था, उसे हिरासत में ले लिया गया है।

पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर राजमार्ग बंद... किसानों का विरोध मार्चा

अंबाला (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने राजपुरा-अंबाला-दिल्ली राजमार्ग। जो जीटी रोड का हिस्सा है। को पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू सीमा पर यातायात के लिए बंद कर दिया है। शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक। कौमी इंसाफ मोर्चा और सहयोगी किसान यूनियनों द्वारा शंभू बैरियर की ओर बढ़ रहे विरोध मार्च के कारण। राजपुरा शहर और राजपुरा-जीरकपुर मार्ग पर भारी जाम की आशंका है। यातायात प्रबंधन और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी डायवर्जन मार्गों पर पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करें। यह विरोध मार्च पंजाब भर में चल रहे कृषि और श्रमिक संघों के आंदोलनों की श्रृंखला का हिस्सा है। प्रदर्शनकारी निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अपनी सजा पूरी कर चुके सिख कैदियों (बंदी सिंहों) की रिहाई की मांग। (कौमी इंसाफ मोर्चा द्वारा आहूत) बिजली संशोधन विधेयक 2025, बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान, किसानों को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक मुद्दे। विरोध में शामिल प्रमुख समूह, कौमी इंसाफ मोर्चा सहयोगी किसान यूनियनें किसान मजदूर मोर्चा (संयुक्त विरोध की योजना), भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) (संयुक्त विरोध की योजना), किसान मजदूर संघर्ष समिति के प्रमुख सरवन सिंह पंधेर और एसकेएम (गैर-राजनीतिक) प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कौमी इंसाफ मोर्चा के विरोध प्रदर्शन को समर्थन देने की घोषणा की है।

केदारनाथ धाम में फैला 2300 टन कचरे... अब निस्तारित करने में 25 करोड़ खर्च होगा

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मौजूद केदारनाथ धाम में 2025 में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस आस्था के साथ केदारनाथ धाम में 2300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया है। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो तक कचरा केदारनाथ धाम में छोड़ा। बीते साल की तुलना में करीब 150 ग्राम प्रति यात्री ज्यादा रहा। अब इस कचरे को निस्तारित करने में 25 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च होगा है, जो इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौजूद शिव धाम के पर्यावरण के लिए नई चुनौती है। केदारनाथ ऊंचे हिमालयी क्षेत्र में है। यहां न कचरा जलाने की अनुमति है, न निपटारे प्लांट लग सकता है। केदारनाथ धाम में इस साल करीब 2300 टन कचरा इकट्ठा हुआ। यह गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। जिसमें करीब 100 टन प्लास्टिक कचरा था जबकि 2200 टन बाकी कचरा रहा। यात्रा के दौरान जमा हुआ पूरा कचरा वापस नीचे सोनप्रयाग लाकर निस्तारित करना पड़ता है। यह काम खच्चर करते हैं। हर खच्चर सिर्फ 10 से 12 किलो तक कचरा ला पाता है। एक फेरा कराने का खर्च 1700 रुपए तक आता है। इसलिए केदारनाथ में फैले कचरे को सोनप्रयाग तक पहुंचाने में करीब 25 करोड़ का खर्च हो रहा है।

हिमाचल में ईवीएम की सुरक्षा में तैनात 8 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बिलासपुर (एजेंसी)। हिमाचल के बिलासपुर में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की सुरक्षा में तैनात 8 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इन पर स्ट्रॉन्ग-रूम में रखी ईवीएम की सुरक्षा में लापरवाही बरतने का आरोप है। सस्पेंशन के बाद इन जवानों को लाइन हाजिर किया गया। इसमें 2 हेड कॉन्स्टेबल और 6 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। इलेक्शन कमीशन ने 2 विधानसभा की हाईकोर्ट में पिटीशन होने की वजह से बिलासपुर कॉलेज और लखनपुर में ईवीएम के लिए स्ट्रॉन्ग रूम बना रखा है। इसलिए, यहां 24 घंटे पुलिस जवानों की ड्यूटी रहती थी, ताकि ईवीएम से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो। एडिशनल एसपी शिव चौधरी रात 11 बजे पहले बिलासपुर कॉलेज पहुंचे। इसके बाद, रात 12 बजे लखनपुर में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। बिलासपुर में 5 पुलिस जवान ड्यूटी पर होने चाहिए थे। मगर एक भी ड्यूटी पर नहीं मिला। उन्होंने बताया- लखनपुर में दो होमगार्ड जवान ड्यूटी पर मिले। मगर यहां भी पुलिस के 3 जवान गायब थे।

भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला लापता, भारत सरकार ने जांच शुरु की

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान दर्शन के लिए गए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। कपूरथला निवासी सरबजीत कौर 1932 श्रद्धालुओं के साथ 4 नवंबर को अटारी बॉर्डर के द्वारा पाकिस्तान गई थी। लेकिन 10 दिन बाद लौटे जत्थे में उनकी गैरमौजूदगी का मामला सामने आया है। इमिग्रेशन फॉर्म में उनकी राष्ट्रीयता और पासपोर्ट नंबर खाली मिलने से संदेह और बढ़ गया है। भारतीय एजेंसियों ने मामला गंभीर मानकर जांच शुरू कर पाकिस्तान स्थित अधिकारियों से संपर्क किया है। महिला की पहचान सरबजीत कौर, निवासी पिंड अमैनीपुर, जिला कपूरथला (पंजाब) के रूप में हुई है।

महागठबंधन के लिए कमजोर कड़ी साबित हो रही कांग्रेस... अखिलेश और ममता के फैसलों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं, और इन नतीजों ने तमाम अनुमानों को ध्वस्त किया है। बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है। अब तक के आए नतीजों में एनडीए का आंकड़ा 200 के पार जाता नजर आ रहा है। एनडीए के पक्ष में ऐसी आंधी चली है कि महागठबंधन की सीटों का आंकड़ा 30 के नीचे जाता दिख रहा है। महागठबंधन में शामिल सभी दलों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। कांग्रेस की सीटें 5 से भी कम हो गई हैं, जबकि मुकेश सहनी की पार्टी का खाता भी नहीं खुलता दिख रहा।

बिहार में लगातार दूसरी बार कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद बुरा रहा है। इसके बाद सवाल उठता है कि कांग्रेस के साथ लड़कर सहयोगी दलों को फायदा है या नहीं और दूसरी तरफ यह भी प्रश्न है कि कांग्रेस को भी इसका क्या फायदा। क्योंकि बिहार के बाद बंगाल और यूपी का चुनाव है। बंगाल में भले ही ममता बनर्जी अपने दम पर चुनाव लड़ती है, लेकिन समय-समय पर कांग्रेस के साथ गठबंधन की चर्चा रहती है। वहीं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है।

नतीजों के बाद बिहार की राजनीति को करीब से देखने वालों का कहना है कि अलग-अलग सीटों पर ये दल लड़े होते, तब नतीजे जो भी होते कम से कम कार्यकर्ताओं को मनोबल बना रहता। पिछले बिहार चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन को लेकर आरजेडी के भीतर सवाल खड़े हुए थे और इस बार भी बहुत कुछ नहीं बदला है। हालांकि इस बार आरजेडी भी उस स्थिति में नहीं कि कांग्रेस पर दोष दे सके।

बिहार नतीजों पर सबसे करीब नजर सपा मुखिया अखिलेश यादव की रही होगी। यूपी का पड़ोसी राज्य बिहार है। इतना ही नहीं अखिलेश यादव ने महागठबंधन के पक्ष में प्रचार किया था। 2027 में यूपी का चुनाव है और अखिलेश के लिए यह चुनाव काफी मायने रखता है। आम चुनाव में कांग्रेस और सपा दोनों ने मिलकर बेहतर प्रदर्शन किया था लेकिन विधानसभा चुनाव में अलग चुनौती होगी। सपा शायद यूपी में कांग्रेस को कम महत्व दे लेकिन डर इसका भी है कि कांग्रेस के अलग लड़ने से नुकसान न पहुंच जाए।

अगले साल बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं। बंगाल में पहली बार कमल खिलाने के लिए बीजेपी अपना पूरा जोर लगा रही है, लेकिन अब तक कमल खिला नहीं सकी है। हालांकि बिहार नतीजों ने बंगाल के बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जोश भर दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन में रहते हुए भी कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया। हालांकि उसके बाद कई बार यह सवाल सामने आया कि क्या अगले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और कांग्रेस साथ मिलकर लड़ सकते हैं। अब बिहार नतीजों के बाद ममता बनर्जी को गठबंधन को लेकर जो कन्फ्यूजन होगा शायद वह दूर हो जाए।

जिन्हें 'राम नाम' से दिक्कत है, वो लाहौर की टिकट कटवा लें-बागेश्वर बाबा

मथुरा (एजेंसी)। सनातन एकता पदयात्रा के मथुरा जिले के कोसी से रवाना होने से पूर्व शुक्रवार को सुबह बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा कि जिनको राम नाम, वंदे मातरम, जय श्री राम से दिक्कत हो तो जल्दी ही लाहौर की टिकट कटवा लें। अगर पैसा भी न हो तो हम कर्ज लेकर अपने पैसे से टिकट करवाएंगे। जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं। बाबा बागेश्वर धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि हम मुसलमानों के विरोधी नहीं। हम उनके विरोधी हैं जो राम और राष्ट्र का नहीं हो सकता है, हम उनके विरोधी हैं जो खाते भारत का हैं और गुणगान उन लोगों का करते हैं। वो आप के चाचा लगते हैं क्या? कुछ हमारे हिंदू गीता, गंगा, संतों, सनातन एकता पद यात्रा का विरोध करते हैं। भैया अगर शुगर हो जाती है, तो शुगर चेक करवाई जाती है। वैसे जो हिन्दुओं का विरोध करते हैं वो अपना डीएनए टेस्ट करवा लें। इससे पूर्व राष्ट्रगान, वंदेमातरम के साथ एक जुट होने की शपथ दिलाई गई।

कांग्रेस अब पहले से ज्यादा वामपंथी: शशि थरूर

हैदराबाद (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में पार्टी की विचारधारा पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाल के वर्षों में पहले से कहीं अधिक वामपंथी हो गई है। यह बदलाव भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला करने की रणनीति का हिस्सा है। थरूर की टिप्पणी पार्टी की ऐतिहासिक मध्यमार्गी छवि से विचलन को रेखांकित करती है।

थरूर से पूछा गया कि क्या भाजपा के खिलाफ कांग्रेस और वामपंथी दलों का गठबंधन रेडिकल सेंट्रिज्म का उदाहरण है। उन्होंने जवाब दिया कि उनके विचार सिद्धांतों और विचारधारा पर केंद्रित हैं, जहां दुनिया पाटने की जरूरत है। हालांकि, रणनीतिक समायोजन बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ मायनों में, इसका नतीजा यह हुआ है कि मेरी पार्टी पहले से कहीं ज्यादा वामपंथी बन गई है। यह भाजपा की नीतियों के विरोध में हो रहा है। थरूर ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव विपक्षी भूमिका से उपजा है। थरूर ने डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस को मध्यमार्गी बताया। उस दौर में पार्टी ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की कुछ नीतियों से प्रेरणा ली। 1990 के दशक में नरसिम्हा राव के नेतृत्व में शुरू की गई आर्थिक सुधार नीतियां थीं, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने पर अपनाया। थरूर के अनुसार, 1991 से 2009 तक का दौर मध्यमार्गी था। पार्टी ने उदारीकरण और बाजार सुधारों को बढ़ावा दिया। लेकिन 2009 के बाद यह बदलाव शुरू हुआ, जो विपक्ष में रहते हुए तेज हो गया। थरूर ने इस वामपंथी झुकाव को भाजपा की 'विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला' बताया। कांग्रेस अब सामाजिक न्याय, वेलफेयर योजनाओं और वामपंथी एजेंडे पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस पहले की तुलना में कहीं ज्यादा वामपंथी हो गई है। यह रणनीतिक समायोजन है या दार्शनिक बदलाव, यह भविष्य तय करेगा। थरूर की टिप्पणी पार्टी के अंदरूनी बहस को उजागर करती है। पहले आडवाणी की तारीफ पर विवाद के बाद यह बयान चर्चा में है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति पर जताई चिंता

-मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर, वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट में वर्चुअली पेश होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर में सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है, जहां हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर है जिससे सेहत को स्थायी नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट आने के बजाए वर्चुअली पेश होना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की पीठ के समक्ष दूसरे मामलों की सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब और गंभीर है। इससे सेहत को स्थाई नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट में हाइब्रिड सुनवाई हो रही है। अधिकतर वकीलों को वर्चुअल रूप से पेश होना चाहिए। इस दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वैसे हम मास्क लगाकर सभी एहतियात बरतते हैं।

इस पर जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि खतरा मास्क से भी आगे निकल चुका है। हवा में खतरनाक प्रदूषण का स्तर 300 से काफी आगे जा चुका है। लिहाजा एहतियात भी उसी स्तर के अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले पर मुख्य न्यायाधीश से भी बात की जाएगी। शुक्रवार को दिल्ली के लोगों को खतरनाक हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं दिखा और शुक्रवार सुबह 8 बजे एक्यूआई 397 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

सुबह 7 बजे एक्यूआई 399 था। गुरुवार को शाम 4 बजे दिल्ली का एक्यूआई 404 दर्ज किया गया था, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक राजधानी के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों ने शुक्रवार को एक्यूआई 400 से भी ऊपर दर्ज किया।

विस्फोट के बाद दिल्ली में सुरक्षा कड़ी, जगह-जगह हो रही गाड़ियों की चेकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट और आईजीआई एयरपोर्ट पर बम की धमकी भरे मेल के बाद सीआईएसएफ के साथ मिलकर एयरपोर्ट पुलिस की टीम संयुक्त कार्रवाई कर रही है। एरोसिटी और यहां आने वाले रास्तों पर भी जगह-जगह बैरिकेडिंग करके जांच की जा रही है। कई जगह गाड़ियों को रोक भी किया जा रहा है। डॉग स्क्वॉड को विशेष रूप से जांच में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे किसी भी संदिग्ध गाड़ी का पता लगाया जा सके। एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्रियों को एडवाइजरी जारी करके कहा गया है कि तीन घंटा पहले एयरपोर्ट पहुंचे। इसके अलावा मेट्रो यात्रियों को 20 मिनट पहले और रेल यात्रियों को एक घंटा पहले स्टेशन पहुंचने के लिए कहा है, जिससे सुरक्षा जांच में लगने वाले समय से यात्रियों को असुविधा न हो और वे सुरक्षा जांच से गुजरकर अपने अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। आईजीआई एयरपोर्ट के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर चेकिंग और पट्रोलिंग बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस की सभी इकाइयां और सीआईएसएफ टीम सुरक्षा को लेकर काम कर रही है। गाड़ियों की सिक्योरिटी जांच सख्ती से की जा रही है। इनवर्टेड मिरर कैमरा का इस्तेमाल भी गाड़ियों की चेकिंग के लिए किया जा रहा है।

बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी... केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भरी हुंकार

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 2025 के बिहार चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की भारी जीत का अनुमान लगाया, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन मतगणना के बीच कई विधानसभा क्षेत्रों में लीड कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, मैं पहले दिन से कह रहा था कि बिहार में हमारी भारी जीत होगी। बिहार के लोग हमेशा से इस सरकार को लेकर बहुत उत्साहित रहे हैं। बिहार के लोगों ने शांति, न्याय और विकास के लिए वोट दिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार को समझने वाले जानते हैं कि यहां के लोग जंगल राज नहीं चाहते। बिहार के नागरिक अराजकता और भ्रष्ट नेतृत्व को नकारते हैं। एक समर्पित भाजपा कार्यकर्ता के रूप में, मैं साफ कहता हूं, बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हम बंगाल भी जीतने वाले हैं। वहां की मौजूदा सरकार अराजकता से भरी है, बाहरी तत्वों के प्रभाव में है, लेकिन बंगाल के लोग अंततः सच्चाई को पहचान लेने वाले हैं। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि बिहार चुनाव के नतीजे मतदाताओं द्वारा अराजकता को नकारने और एनडीए के विकास को स्वीकार करने का प्रमाण हैं। आज हम हर जिले में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज खुलते देख रहे हैं। चटिया चरवाहा विद्यालयों को हटाया गया है। यही बिहार में प्रगति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह सच है कि आज के युवाओं ने भले ही जंगल राज न देखा हो, लेकिन उनके बुजुर्गों ने देखा है। मैं साफ कह रहा हूं कि बिहार इन भ्रष्ट नेताओं के हाथों में नहीं जाएगा। नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद के बारे में पूछे गए सवालों पर उन्होंने दो टूक कहा कि बिहार सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनेगी और इसमें किसी भ्रम की कोई जरूरत नहीं है।

भाजपा नेता का तंज: चिदंबरम ने आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट के बाद इस मुद्दे पर राजनैतिक बहस भी तेज होती जा रही है। एक भाजपा नेता ने तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि देश के पूर्व गृहमंत्री पी चिदंबरम ने शायद आतंकवाद पर पीएचडी हासिल कर ली है। क्योंकि उनके कार्यकाल में आए दिन आतंकी धमाके करते थे। कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि चिदंबरम को आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है, क्योंकि उनके गृह मंत्री रहते हुए देश में हर दिन कहीं न कहीं बम धमाके होते थे। गौरव वल्लभ ने कहा कि हमारी मौजूदा सरकार और देशवासी आतंकवाद को आतंकवाद ही मानते हैं, उसके प्रकार नहीं ढूंढते। वर्तमान सरकार आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देती है, गोली का जवाब गोले से देती है। दिल्ली में हुए विस्फोट को जिन लोगों ने अंजाम दिया है और जिन्होंने इसकी साजिश रची है, दोनों को भारत की न्यायिक व्यवस्था के तहत सख्त सजा जरूर मिलेगी।

भाजपा नेता ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पी चिदंबरम को आतंकवाद के प्रकारों की जानकारी जरूर होगी, क्योंकि उनके समय में आतंकवादी घटनाएं आम बात थीं। यही अंतर है नए भारत और 2004 से 2014 के यूपीए शासनकाल में। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह देशवासियों से वादा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार वैसी नहीं है, जिसके कार्यकाल में तीन हजार किलो आरडीएक्स देश में घुस जाए और पता भी न चले। गौरव वल्लभ ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सतर्क कार्रवाई कर आरडीएक्स की खेप को जब्त किया और इसी दबाव के चलते आतंकी इस तरह के विस्फोट करने को मजबूर हुए। वहीं, आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज के उस पोस्ट पर भी गौरव वल्लभ ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें भारद्वाज ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता विस्फोट में घायलों से मिलने का दिखावा कर रहे हैं। गौरव वल्लभ ने कहा कि शराब प्रेमी पार्टी के नेताओं को समस्या यह है कि जब दिल्ली के घाव पर मरहम लगाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह दो घंटे में मौके पर पहुंच गए तो उन्हें यह दिखावा लग रहा है। यह सरकार शीशमहल बनाने में व्यस्त रहने वाली नहीं है, बल्कि यह हमेशा जनता के साथ खड़ी रहती है।

6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय, योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी की आशंका

-अब तक 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला, यूआईडीएआई कर रहा सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में हर नागरिक को आधार नंबर जारी करने की शुरुआत को 15 साल हो चुके हैं। इस दौरान 142 करोड़ से ज्यादा आधार कार्ड जारी हुए, लेकिन 8 करोड़ से ज्यादा धारकों की मौत के बावजूद 1.83 करोड़ कार्ड ही निष्क्रिय हुए हैं। करीब 6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय हैं। इससे बैंक फ्रॉड, फर्जी खातों और सरकारी योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी जैसी आशंकाएं बढ़ गई हैं। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ भुवनेश कुमार के मुताबिक भारत के महापंजीयक से अब तक यूआईडीएआई को 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला है। नवंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच 38 लाख और मृतकों की सूची जुड़ी। इनमें 1.17 करोड़ की पहचान हुई है और उनके आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्राधिकरण का अनुमान है कि दिसंबर तक 2 करोड़ कार्ड निष्क्रिय हो जाएंगे।

यूआईडीएआई ने चार महीने पहले वेबसाइट पर मृत्यु सूचना पोर्टल शुरू किया ताकि परिजन मृतक का आधार ऑनलाइन निष्क्रिय करा सकें। अब तक केवल 3,000 लोगों ने जानकारी दर्ज कराई है, जिनमें से 500 मामलों में ही पुष्टि हो सकी और उनके कार्ड निष्क्रिय किए गए हैं। सीईओ ने कहा कि आधार की शुरुआत 2010 में हुई। वहीं, 2016 के बाद से करीब 8 करोड़ आधार धारकों की मृत्यु का अनुमान है। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम से केवल 25 राज्यों के आंकड़े मिलते हैं। बाकी राज्यों से डेटा जुटाने का काम जारी है।

उन्होंने बताया कि जब आधार जारी होना शुरू हुआ तो देश में सालाना मौतें करीब 56 लाख थीं। बढ़ते-बढ़ते आंकड़ा 85 लाख पहुंच गया। इसलिए हम 2016 से अब तक आठ करोड़ मौत मान रहे हैं। मृत्यु का पंजीकरण अब भी बेहद कैजुअल है। करीब 48 लाख नामों का मिलान नहीं हो पाया है। इनमें से 4-5 फीसदी रिकॉर्ड क्षेत्रीय भाषा में दर्ज जानकारी के कारण मैच नहीं हो सके। इस प्रक्रिया में 80 ऐसे मामले सामने आए जिनमें मृत घोषित किए गए लोग बाद में जिंदा पाए गए। अब इन मामलों की जांच चल रही है।

यूआईडीएआई के डेटाबेस में 8.30 लाख आधार धारकों की उम्र 100 साल से अधिक दर्ज है। इनमें सर्वाधिक महाराष्ट्र में 74,000, यूपी में 67,000, आंध्र में 64,000 व तेलंगाना में 62,000 कार्ड धारक शामिल हैं। राज्यों ने इनमें से अब तक 3,086 मामलों की ही पुष्टि की। इनमें 629 जिंदा, 783 मृत और 1,674 की जानकारी नहीं मिली। एसबीआई के 22 करोड़ आधार-लिंक्ड खातों में 8 लाख मृतकों के खाते बंद किए गए। पीडीएस से जुड़े 80 करोड़ राशन कार्डों में से 4.5 लाख मृतकों के कार्ड सक्रिय पाए गए। दो करोड़ पेंशनरों में 22 लाख की मौत की पुष्टि। बीमा कंपनियों के पास 5 लाख मृतकों की जानकारी है।